आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 76। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर
बुधवार,
19 मार्च,
2025

उनकी धरती पर वापसी का सफर 17 घंटों में पूरा होगा

आज तड़के 3 :27 बजे सुनीता-बुच को लेकर समंदर में उतरेगा अंतरिक्ष यान

एजेंसी ● मुंबई

अंतरिक्ष में 9 महीने बिताने के बाद भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर भोर में यान से उतरेंगे। हालांकि, उनकी पहली लैंडिंग समंदर में होगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और एलन मस्क के स्पेसएक्स के अंतरिक्ष यान ड्रैगन से सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर, निक हेग और रूसी कॉस्मोनॉट अलेक्जेंडर गोर्बुनोव पृथ्वी पर लौट रहे हैं। उनकी धरती पर वापसी का सफर 17 घंटों में पूरा होगा। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने 5 जून, 2024 को परीक्षण यान स्टारलाइनर से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (ISS) के लिए उड़ान भरी थी। वहां आठ दिन गुजारने के बाद उनकी वापसी थी, मगर यान में तकनीकी खामी के कारण यह अटक गई थी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व वैज्ञानिक विनोद कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर ड्रैगन भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 3:27 बजे समंदर में लैंड करेगा। नासा ने बताया है कि ड्रैगन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सफलतापूर्वक अनडॉक हो गया है। वह वहां से करीब 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धरती के वायुमंडल में प्रवेश करेगा। पहले यह डीऑर्बिट बर्न के लिए तैयार होगा। इसके बाद ड्रैगन कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से एंट्री करेगा तो उसे 19 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 3:27 बजे अटलांटिक महासागर में सुरक्षित उतारा जाएगा। इस काम में कई छोटे-छोटे पैराशूट लगेंगे।

सफर

यान की रफ्तार थामेंगे पैराशूट

उन्होंने बताया कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जिस यान से लौट रहे हैं, वह धरती पर 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से एंट्री करेगा। उसी समय से कई पैराशूट इसकी रफ्तार थामने लग जाएंगे। ये छोटे-छोटे पैराशूट सेंसर्स के जरिए खुद ब खुद यान में खुलते जाएंगे। ये यान की रफ्तार को घटाकर महज 32 किलोमीटर प्रति घंटे पर ला देंगे। जब यान अमेरिका के फ्लोरिडा तट के पास समंदर में उतरेगा तब उसकी स्पीड महज 10 मीटर प्रति सेकेंड रह जाएगी। ताकि उतरते वक्त कैप्सूल को झटके न लगें। समंदर में उतरने को स्प्लैश डाउन कहते हैं।

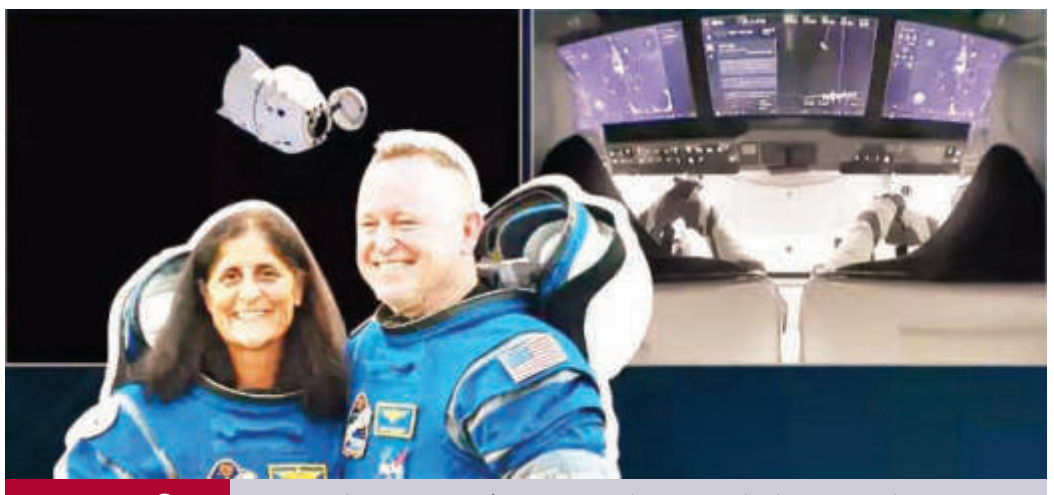

जरा सी चूक से जल सकता है यान

श्रीवास्तव के अनुसार, जब ड्रैगन यान धरती के वायुमंडल में प्रवेश कर रहा होगा, तब इसकी स्पीड साउंड की स्पीड से 22 गुना ज्यादा होगी। यह एंट्री धरती से 100 किलोमीटर और 80 किलोमीटर के बीच कहीं होगी। वो भी एक खास एंगल से। वर्ना पूरा का पूरा यान वायुमंडल से रगड़ खाकर जल सकता है। उस वक्त यान की बाहरी सतह एकदम गर्म हो जाती है, जो 1900 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचेगी। जो यान लौट रहा है, उसमें छोटे-छोटे रॉकेटनुमा पैराशूट लगे होते हैं, जो यान के धरती पर आने के साथ-साथ एक-एक करके खुलते जाएंगे। इनके खुलने के बाद यान की स्पीड कम होती जाएगी। आखिर में बड़े वाले पैराशूट खुल जाएंगे और समंदर में सफल लैंडिंग हो जाएगी। ये पैराशूट सेंसर्स के जरिए खुद ही खुलते हैं।

ऐसे होती है धरती पर एंट्री

धरती पर एंट्री करने के दौरान यान एक विशेष एंगल से प्रवेश करता है। यह एंगल 94.71 डिग्री से लेकर 99.80 डिग्री तक होता है। हर एंट्री एंगल से धरती के वातावरण में प्रवेश करने के बाद कैप्सूल का ऊपरी हिस्सा पूरा जल जाएगा और नीचे का हिस्सा, जिसमें यात्री रहते हैं वो पैराशूट से नीचे आ जाते हैं। इसमें अगर पल भर की भी गड़बड़ी होती है तो यह यान जलकर स्वाहा हो जाएगा।

सुनीता के नाम यह रिकॉर्ड

सुनीता जब धरती पर कदम रखेंगी तो वह कुल 286 दिन अंतरिक्ष में बिता चुकी होंगी। इसके साथ ही वह एक यात्रा में तीसरी सबसे ज्यादा दिन तक आईएसएस पर बिताने वाली महिला वैज्ञानिक बन जाएंगी। इस मामले में सबसे पहले नंबर पर 328 दिनों के साथ क्रिस्टीना कोच हैं। वहीं, पिग्गी वीटस्न 289 दिनों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। आईएसएस में एक बार में सबसे ज्यादा 371 दिन अंतरिक्ष यात्री फ्रैंक रुबियो ने बिताए हैं। कुल मिलाकर सबसे ज्यादा दिन बिताने का रिकॉर्ड 675 दिनों के साथ पिग्गी वीटस्न के पास है।

शॉट न्यूज

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर कर सकते हैं हस्ताक्षर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन की सोमवार को हुई मुलाकात से पहले दोनों देशों ने करीब 10 साल बाद प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर फिर से बात शुरू करने की घोषणा की। भारत यात्रा पर आए लक्सन ने मंगलवार को उद्योग निकाय फिक्की के कार्यक्रम में कहा, आइए इस रिश्ते को आगे बढ़ाएं। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ मैं 60 दिन के भीतर इस समझौते पर हस्ताक्षर कर रहा होऊंगा। हालांकि, व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि वार्ता के दौरान सेब, कीवी, डेयरी और वाइन जैसे कृषि उत्पादों पर शुल्क रियायतें देने के मुद्दे पर कुछ कठिनाई आ सकती है। वहीं, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अगले 10 वर्षों में दोनों देश मिलकर कारोबार में 10 गुना वृद्धि हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देश पूरक अर्थव्यवस्थाओं की भावना से काम करेंगे, तो शायद ही किसी बिंदु पर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी।

देवघर के ऑयल डिपो में आग, दो गांव खाली कराए

जसीडीह (देवघर)। झारखंड के देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र के इंडियन ऑयल के डिपो के परिसर में आग लग गई है। तेज हवाओं के कारण ये आग तेजी से फैल रही है। इस आग की चपेट में आने से कोंकरीबांक पंचायत के मुखिया बदलाडीह गांव निवासी सरस्वती मूर्मू, अनिता टुडू व रानी मरांडी का घर जलकर राख हो गया है। एक मंदिर भी आग की चपेट में आ गया। दमकल की कई गाड़ियां और आइओसीएल की टीम आग पर काबू करने का प्रयास कर रही है।तेज हवा और गर्मी के कारण आग को काबू करने में काफी परेशानी हो रही है। आग की लपटों को देखते हुए पास के दो गांव बदलाडीह और संताली को खाली करा दिया गया है। आग इतनी भयानक है कि कई किमी दूर आसमान सिर्फ काला धुआं दिखाई दे रहा है। आसमान में काले बादल छा गए हैं। ये धुआं देवघर शहर में भी पूरी तरह से फैल चुका है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि इंडियन ऑयल की पार्किंग में उगे सूखे हुए घास में आग लग गई।

अवकाश सूचना

19 मार्च शुक्रवार को आदित्यभारत कार्यालय में होली के पावन पर्व पर अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 21 मार्च को प्रकाशित होगा।

-संपादक

नागपुर हिंसा पर सीएम फडणवीस बोले

सुनियोजित था हमला, पुलिस पर आक्रमण बर्दाश्त नहीं

3 डीसीपी सहित 33 पुलिसकर्मी घायल, एक पर कुल्हाड़ी से हमला, 45 वाहनों में तोड़फोड़, 11 थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा, 5 एफआईआर दर्ज, 50 हिरासत में

एजेंसी ● मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर हिंसा को सुनियोजित हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक सामग्री जलाने की अफवाह फैलाई गई। शहर के इतिहास में 98 सालों के बाद ऐसा दंगा भड़का, जिसमें तीन पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सहित 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। एक डीसीपी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इसके अलावा कई नागरिक भी जख्मी हुए, जिनमें से एक आईसीयू में है। कम से कम 45 वाहनों में तोड़फोड़ की गई। इस पूरे बवाल के बाद पुलिस ने 5 एफआईआर दर्ज की हैं और 50 लोगों को हिरासत में लिया है। नागपुर के 11 थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू है। एसआरपीएफ की पांच टुकड़ियां तैनात की गई हैं। सीएम ने कहा है कि कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वाले किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। विधानसभा में सीएम फडणवीस ने कहा कि औरंगजेब के खिलाफ फिल्म छावा ने गुस्से को बढ़ाया है। नागपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। उन लोगों ने प्रतीकात्मक तौर पर कब्र की चादर जलाई। इसके बाद धार्मिक सामग्री को जलाने की अफवाह फैलाई गई। यह एक सुनियोजित हमला लगता है। किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। हमें हिंसा वाली जगहों से पत्थरों की एक ट्रॉली मिली है।

हमला

विधानसभा में हुआ हंगामा

इस बीच मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा में भी जमकर हंगामा हुआ। सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी विधायकों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। सदन के बाहर भी विपक्षी दलों के विधायकों ने प्रदर्शन किया। विपक्ष का आरोप है कि महायुति सरकार के कुछ मंत्रियों के बयान की वजह से महाराष्ट्र में स्थिति बिगड़ रही है। इन लोगों ने मंत्री नितेश राणे को पद से हटाने की मांग की। नितेश राणे ने इस हिंसा के लिए सपा विधायक अबू आजमी को जिम्मेदार ठहराया है। उन लोगों को नहीं बख्शा जाएगा, जिन्होंने पुलिसकर्मियों पर हाथ उठाया। उधर, सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों ने कुछ लोगों पर मुगल सम्राट औरंगजेब का महिमामंडन करने का आरोप लगाया।

औरंगजेब एक कलंक : शिंदे

वहीं महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, 'औरंगजेब एक कलंक है। अस्पताल में तोड़फोड़ की गई। हमलावरों के पास पेट्रोल बम कहां से आए?' यह एक सोची-समझी साजिश थी। आप मुख्यमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर रहे हो? औरंगजेब देशद्रोही था, आप उसकी तुलना शिवाजी महाराज से कर रहे हैं? महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष औरंगजेब का समर्थन कर रहे हैं, उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

उद्धव ने सरकार पर दागे सवाल

नागपुर हिंसा पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं, न ही मैं गृह मंत्री हूं, मुख्यमंत्री से पूछिए कि हिंसा के पीछे कौन है। वहां आरएसएस का मुख्यालय है। यहां डबल इंजन की सरकार है, अगर डबल इंजन की सरकार विफल हो गई है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। आप चाहें तो औरंगजेब की कब्र हटा सकते हैं, लेकिन उस दौरान चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को बुलाइए।

राम दरबार का सिंहासन तैयार

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामनवमी से पहले राम मंदिर की नई तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें भव्य राम दरबार के सिंहासन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यह सिंहासन मकराना के श्वेत संगमरमर से निर्मित किया गया है और इसे मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित किया जाएगा। राम मंदिर का गर्भगृह विशिष्ट नक्काशीदार संगमरमर से बना है, जबकि मंदिर के खंभे जयपुर के गुलाबी बलुआ पत्थर से निर्मित हैं। ट्रस्ट ने बताया कि मंदिर परिसर में मुख्य मंदिर के अलावा 14 और मंदिरों का निर्माण हो रहा है, जिनमें मूर्तियों की स्थापना के लिए 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) को शुभ तिथि निर्धारित की गई है, जबकि प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन 5 जून (गंगा दशहरा) को होगा।

बेंगलुरु में 8 जगहों पर ईडी ने की छापेमारी

बेंगलुरू। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जॉर्ज सोरोस द्वारा समर्थित कुछ संस्थाओं पर छापेमारी की है। ईडी मुख्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ईडीएफ और ओपन सोर्स फाउंडेशन समेत कई संस्थाओं की जांच के लिए बेंगलुरु में कुल आठ जगहों पर छापेमारी की गई है। छापेमारी की कार्रवाई फेमा उल्लंघन की जांच के लिए की गई है। ईडी द्वारा की गई प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सोरोस और उनके ओपन सोसायटी फाउंडेशन (ओएसएफ) को 2016 में गृह मंत्रालय द्वारा पूर्व संदर्भ श्रेणी में रखा गया था, जिससे इसे भारत में गैर-सरकारी संगठनों को अनियमित दान देने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। बताया गया कि इस प्रतिबंध से छुटकारा पाने के लिए ओएसएफ ने भारत में सहायक कंपनियां बनाईं और एफडीआई और परामर्श शुल्क के रूप में पैसा भारत लाया गया।

कवायद : केंद्रीय गृह सचिव और मुख्य चुनाव आयुक्त की बैठक में फैसला

आधार कार्ड से लिंक होगा मतदाता पहचान पत्र

एजेंसी ● नई दिल्ली

अब मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से लिंक किया जाएगा। मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय गृह सचिव की बैठक में यह फैसला लिया गया। मतदाता पहचान पत्र के आधार कार्ड से जुड़ जाने से न सिर्फ फर्जी मतदाताओं की पहचान होगी, बल्कि भविष्य में फर्जी मतदान पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ तथा चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की। करीब तीन घंटे तक चली बैठक में निर्णय लिया गया कि मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुसार ही किया जाएगा। इसके लिए आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय के पुराने निर्णयों का भी हवाला दिया है। कहा गया कि इस संबंध में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और चुनाव आयोग जल्द ही तकनीकी विशेषज्ञों से परामर्श करेगा। आयोग ने मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने पर सहमति देने के फैसले के बारे में कहा कि इसे संविधान सम्मत तरीके से पूरा किया जाएगा।

अप्रैल तक मांगे सुझाव

इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए चुनाव आयोग 31 मार्च से पहले निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, जिला चुनाव अधिकारियों और मुख्य चुनाव अधिकारियों की बैठक बुलाएगा। आयोग इस संदर्भ में पहले ही सभी राष्ट्रीय और राज्य मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से इसी साल 30 अप्रैल तक सुझाव मांगे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के रुख पर होगी नजर: सुप्रीम कोर्ट इस प्रोसेस पर पहले भी रोक लगा चुका है। दरअसल वोटर आईडी कार्ड को आधार से जोड़ने का आयोग पहले भी प्रयास कर चुका है। तब आयोग ने मार्च 2015 से अगस्त 2015 तक राष्ट्रीय मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्यक्रम के तहत 30 करोड़ वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ा था। इस प्रक्रिया के कारण आंध्रप्रदेश और तेलंगान के 55 लाख लोगों के नाम छंटने के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और तब सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। अभी स्वैच्छिक रूप से जोड़ सकते हैं आधार
संविधान में भी वोटर आईडी को आधार से जोड़ने का प्रावधान है।

महाकुंभ से एकता का अमृत निकला, विश्व ने देखा भारत का विराट स्वरूप

एजेंसी ● नई दिल्ली

पीएम मोदी मंगलवार को लोकसभा में महाकुंभ के आयोजन पर बोले। उन्होंने इस दौरान इस आयोजन में योगदान देने वालों का धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज मैं इस सदन के माध्यम से देशवासियों को नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ है। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देश भर के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश व विशेष रूप से प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं। पीएम ने कहा कि पिछले वर्ष अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह ने हम सभी को यह अहसास कराया कि देश अगले 1000 वर्षों के लिए कैसे तैयार हो रहा है। इस वर्ष महाकुंभ ने हमारी सोच को और मजबूत किया है, तथा देश की सामूहिक चेतना हमें देश के सामर्थ्य के बारे में बताती है। पीएम ने कहा, "मानव जीवन के इतिहास में ऐसे कई मोड़ आते हैं, जो पीढ़ियों को दिशा देते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे संस्कारों के आगे बढ़ने का क्रम जारी है।

कुंभ हमारा इतिहास और संस्कृति: राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद परिसर में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री मोदी की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने, जिनकी मृत्यु हुई, उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा महाकुंभ में गए उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उसपर भी बोलना चाहिए था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष को तो बोलने का मौका दिया जाना चाहिए था लेकिन नहीं देते हैं, यह न्यू इंडिया है।'

सुखलिया स्थित लिटिल वंडर कॉन्वेंट स्कूल का मामले ने तूल पकड़ा

स्कूल से 3 छात्र टर्मिनेट : बाल आयोग ने कलेक्टर से हफ्तेभर में मांगी रिपोर्ट

संवाददाता ● इंदौर

सुखलिया स्थित लिटिल वंडर कॉन्वेंट स्कूल द्वारा तीन छात्रों को टर्मिनेट किए जाने के मामले में मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लिया है। उसने कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए हैं और सात दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। यह मामला तब सामने आया, जब एक अभिभावक ने 9 मार्च को आयोग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि स्कूल प्रबंधन ने बिना निष्पक्ष जांच या सुनवाई के उनके बच्चे को स्कूल से निकाल दिया। छात्रों पर आरोप है कि उन्होंने शिक्षकों के मीम बनाकर आपत्तिजनक भाषा के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड किए। साथ ही, स्कूल प्रबंधन पर जेजे एक्ट के उल्लंघन और छात्रों को शिक्षा से वंचित करने के आरोप भी लगाए गए हैं।

मामला

क्या है JJ Act, 2015 धारा : यह धारा उन मामलों पर लागू होती है, जहां कोई व्यक्ति या संस्था किसी बच्चे को किसी भी तरह की हानिकारक स्थिति में डालती है। यदि कोई बच्चा किसी भी प्रकार के शोषण, मानसिक या शारीरिक प्रताड़ना या शिक्षा के अधिकार से वंचित किया जाता है तो यह धारा लागू होती है।

सजा का प्रावधान

पहली बार अपराध करने पर 5 साल तक का कारावास या 5 लाख तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अगर दोबारा अपराध किया गया तो 7 साल तक कारावास और 5 लाख तक का जुर्माने का प्रावधान है।

यह है प्रावधान

कोई भी व्यक्ति किसी भी बच्चे को किसी भी प्रकार की सामाजिक, मानसिक, शारीरिक या शैक्षणिक हानि नहीं पहुंचा सकता। अगर कोई संस्था किसी बच्चे को शिक्षा से वंचित करती है या अनुचित व्यवहार करती है, तो यह धारा लागू हो सकती है। इसमें तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

JJ Act, 2015 की धारा 75

यह धारा उन सभी मामलों पर लागू होती है, जहां किसी बच्चे के साथ क्रूरता बरती जाती है। इसमें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक या शैक्षिक शोषण शामिल हो सकता है। कोई भी व्यक्ति बच्चे की देखभाल या संरक्षण की जिम्मेदारी में रहते हुए यदि उसे जानबूझकर शारीरिक या मानसिक रुप से प्रताड़ित करता है, तो यह अपराध होगा। शिक्षा से वंचित करना, स्कूल से निकालना या मानसिक उत्पीड़न करना भी इस धारा के तहत क्रूरता मानी जा सकती है। यह प्रावधान विशेष रुप से अभिभावकों, स्कूल प्रशासन, शिक्षक और देखभाल करने वालों पर लागू होता है।

शॉर्ट न्यूज

घर में बिस्तर पर मिला महिला का शव, पति को हत्या की आशंका

इंदौर। लसूडिया इलाके में रहने वाली एक महिला का शव उसके घर में मंगलवार अलसुबह मिला। महिला के पति ने ही पुलिस को मामले में सूचना दी थी। महिला के गले पर निशान है। पुलिस शार्ट पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, ताकि हत्या या आत्महत्या को लेकर कहानी साफ हो सके। पुलिस को शंका है कि दंपति का आपस में विवाद हुआ था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक घटना सिद्धिविहार कॉलोनी की है। यहां पर 46 वर्षीय शीला का शव मंगलवार सुबह 5 बजे उसके घर में बिस्तर पड़े होने की सूचना पति मदन ने पुलिस को दी। टीआई सोनी के मुताबिक मामले में मौके पर जाकर जांच की गई। इसमें शीला के गले पर निशान मिले हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय भेजा गया है। टीआई ने यह भी बताया कि शीला का पति चौकीदारी करता है।

छत्रपति नगर में मुनि संघ का मंगल प्रवेश, शोभायात्रा में उमड़े समाजजन

इंदौर। छत्रपति नगर में जैन मुनि संघ का भव्य स्वागत किया गया। मुनि आदित्य सागरजी, मुनि अप्रमित सागरजी, मुनि आराध्य सागरजी, मुनि सहज सागरजी और क्षुल्लक श्रेयश सागरजी का संघ अंबिकापुरी जैन मंदिर से विहार कर छत्रपति नगर पहुंचा। मुनि संघ ने अंजनी नगर, सुखदेव नगर और रामचंद्र नगर होते हुए शोभायात्रा के साथ प्रवेश किया। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह मुनि संघ का पाद प्रक्षालन किया। शोभायात्रा में महिलाएं मंगल कलश लेकर चल रही थीं। पुरुष नृत्य करते हुए नमोस्तु और शासन जयवंत हो के जयकारे लगा रहे थे। आदिनाथ जिनालय में मुनि संघ का विशेष स्वागत किया गया। जिनालय ट्रस्ट के डॉ. जैनेंद्र जैन, राकेश नायक, राजेश जैन और निलेश जैन ने पाद प्रक्षालन किया। महिला मंडल की रजनी जैन, मुक्ता जैन, मीना जैन और मनीषा जैन भी स्वागत में शामिल हुईं।

ज्ञान शिखर में स्पिरिचुअल कैफे का प्रभावी आयोजन

इंदौर। न्यू पलासिया स्थित ज्ञान शिखर में ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग ने एक नई शुरुआत की। यहां पहली बार 'स्पिरिचुअल कैफे' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक युवाओं ने भाग लिया।कार्यक्रम का मुख्य विषय था 'मेडिटेशन द्वारा भावनात्मक स्थिरता'। प्रतिभागियों ने कॉफी के साथ दैनिक जीवन की चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की। देश भर से आए ब्रह्माकुमारीज युवा प्रभाग के सदस्यों ने छोटे-छोटे समूहों में युवाओं का मार्गदर्शन किया। युवा प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा राजयोगिनी बीके चंद्रिका दीदी ने युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हर युवा विशेष है और अपनी आंतरिक शक्ति को पहचान कर सकारात्मक कार्यों में लगा सकता है। उन्होंने सभी को राजयोग की गहन अनुभूति भी कराई।

देशभर में इंदौर निगम पहला ऐसा, जहां 'एक देश एक चुनाव' का प्रस्ताव पास

संवाददाता ● इंदौर

प्रस्ताव

महापौर परिषद की बैठक मंगलवार को महापौर काउंसिल कक्ष में हुई। इसमें 30 से ज्यादा एजेंडों पर चर्चा कर स्वीकृति प्रदान की गई। खास बात यह है कि इंदौर नगर निगम देश में पहला ऐसा निगम है, जिसने एक देश एक चुनाव के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया है। इसके साथ ही 100 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। एमआईसी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को निगम परिषद की स्वीकृति के लिए अनुशंसा की है। बता दें कि पिछली बार महापौर परिषद की बैठक महापौर कार्यालय में हुई थी। उसके बाद नगर निगम ने पीलियाखाल नाले को साफ करवाया था। उसका दौरा करने गए महापौर ने तब घोषणा की थी कि अगली महापौर परिषद बैठक सुखाए गए इसी नाले में होगी, लेकिन मंगलवार को होने वाली बैठक का स्थान पीलियाखाल नाले के बजाय नगर निगम मुख्यालय रखा गया। बैठक में नगर निगम के नवीन भवन एवं नवीन वर्कशॉप बिल्डिंग के लिए डीपीआर बनाने हेतु कंसलटेन्ट की स्वीकृति दी गई। ई-नगर पालिका पोर्टल 2.0 से पृथक नगर निगम अपने स्वयं का सॉफ्टवेयर पोर्टल एवं नागरिक सुविधाऐं संचालित करने ऑनलाईन पोर्टल हेतु भी स्वीकृति प्रदान की गई तथा सम्पत्तिकर के लिए जीआईएस सर्वे के संबंध में निर्णय लिया गया। बिलावली तालाब के विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए पीपीपी मॉडल पर पैडल बोटिंग, वॉटर स्पोर्ट्स एवं अन्य गतिविधियों के कार्य की स्वीकृति दी गई। कचरा संग्रहण हेतु 100 क्लोज इलेक्ट्रिक गारबेज टिपर 2.5 एवं बेक-हो-लोडर 11 नग क्रय की क्रय की स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत विभिन्न परिसर में बहुमंजिला आवासीय इकाइयों के आवंटन कर हितग्राहियों की सूची अनुमोदन किया गया।

25 स्थानों पर वॉटर एटीएम लगेंगे – इसी तरह शहर में विभिन्न 25 स्थानों पर वॉटर ए.टी.एम. स्थापित करने की स्वीकृति दी गई। शहर के विभिन्न उद्यानों में झूला चकरी एवं जिम इक्यूपमेन्ट लगाने की भी स्वीकृत दी गई। मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अन्तर्गत स्मार्ट फिश पार्लर बनाने के लिए स्थानों के निर्धारण करने हेतु भी निर्णय लिया गया।

तीन ट्रक आपस में भिड़े, केबिन में दबने से ड्राइवर की जान गई

इंदौर। तेजाजी नगर इलाके में सोमवार देर रात तीन ट्रक आपस में टकरा गए। हादसे में एक ट्रक ड्राइवर की केबिन में दबने से मौत हो गई। वहीं एक ट्रक में सवार दो ड्राइवर घायल हुए हैं। पुलिस ने रात में सभी को एंबुलेंस से एमवाय भेजा है। बताया जाता है कि सबसे आगे वाले ट्रक ने लापरवाही से ब्रेक लगा दिया। इस कारण दो ट्रक बारी-बारी से दूसरे में जा घुसे। तेजाजी नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना बायपास की है। रात करीब 2 बजे के लगभग तीन ट्रक आपस में एक दूसरे से टकरा गए। इसमें बीच का ट्रक चला रहा ड्राइवर देवीसिंह (40) पिता भागचंद निवासी बैरसिया भोपाल की केबिन में फंसने से मौके पर ही मौत हो गई जबकि देवीसिंह के ट्रक के पीछे चल रहे ट्रक में सवार ड्राइवर मोहम्मद फारूख पिता शान निवासी कृष्णागिरी तमिलनाडु और उसका साथी ड्राइवर शारदा पिता एलोपन निवासी सालेम तमिलनाडु घायल हुए हैं। उनका एमवाय में उपचार चल रहा है। पुलिस ने फारूख के बयान लिए थे। उसने बताया कि देवीसिंह के आगे चल रहे ट्रक ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए थे। इसके बाद देवीसिंह ने अपना ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन पीछे से फारूख का ट्रक घुस गया। इसमें देवीसिंह की केबिन में दबने से मौत हो गई।

क्षेत्र 3 बोलिया सरकार की छत्री पर राधाकृष्ण फागोत्सव की धूम

विधायक और कार्यकर्ता रंगों से सराबोर, फूल-गुलाल उड़े

संवाददाता ● इंदौर

उत्सव

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 में बोलिया सरकार की छत्री पर राधाकृष्ण फाग उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महामण्डलेश्वर रामगोपाल दास जी महाराज, सांसद शंकर लालवानी और विधायक गोलू शुक्ला समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

विधायक गोलू शुक्ला ने राधा रानी और भगवान कृष्ण के चित्र के साथ होलकर कालीन शिवलिंग का पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर भजन गायक अखिलेश दुबे और गायिका प्रिया किशोरी ने राधा कृष्ण के फाग गीतों से समां बांध दिया। विधायक शुक्ला और उनकी पत्नी चीना शुक्ला ने मंच से कार्यकर्ताओं पर फूलों और गुलाल की वर्षा की। चीना शुक्ला ने सबसे पहले विधायक के गालों पर गुलाल लगाया। कार्यक्रम में राधा कृष्ण की वेशभूषा में कलाकारों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। गुलाल स्प्रे मशीन से कार्यकर्ताओं ने हरा, नीला, पीला, केसरिया, जामुनी और लाल रंग का गुलाल उड़ाया। इससे पूरा आसमान सतरंगी हो गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जीराती, संभाग प्रभारी राघवेन्द्र गौतम, मधु वर्मा, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पूर्व नगर अध्यक्ष कैलाश शर्मा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कनाडिया रोड स्थित करुणा सागर अपार्टमेंट में एक अच्छी पहल की गई। करुणा सागर कराओके संगीत समिति ने होली के अवसर पर गीत-संगीत के माध्यम से जल संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। कार्यक्रम में कई कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। राकेश अजमेरा, विनायक नारखेडे, अशोक गोखले और विनोद सिंहा ने अपने गीतों से समा बांधा। सदाशिव रिश्वडकर, राकेश ताम्रकार, धर्मेंद्र नामदेव, प्रभा अजमेरा और सुप्रिया रिश्वडकर ने भी अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को सफल बनाया। इस सार्थक आयोजन की जिम्मेदारी बालकृष्ण जोशी, महेश कटारे, भीम सिंह मौर्य, चंद्र शेखर मोरे और मंजुल भाई मेहता ने संभाली। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'जल ही जीवन है' के संदेश को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाना था। अपार्टमेंट के सभी रहवासियों ने जल संरक्षण के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन संजय दुबे, इमरान खान, कविता सिंहा और स्नेहल गोखले ने किया।

घटना से संचालक भी हैरान, कराई जाएगी जांच

निजी ट्रेवल्स के डिपो में दो बसें खाक पास में ही था पेट्रोल पंप

संवाददाता ● इंदौर

जांच

चोइथराम मंडी इलाके में मैदान में खड़ी निजी ट्रेवल्स की दो बसों में मंगलवार को आग लग गई। पास में ही पेट्रोल पंप था और अगर वहां आग लगती तो काफी बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि फायर बिग्रेड को सूचना मिलने के बाद एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। जब आग लगी तो उससे निकलता धुआं काफी दूर तक देखा गया। आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आ पाया है। फायर ब्रिगेड कर्मचारी के मुताबिक घटना चोइथराम मंडी के पास की है। यहां एक मैदान में राजरत्न ट्रेवल्स की बसे पार्क होती है। दोपहर में आसपास के लोगों ने एक बसो से धुआं निकलते देखा। इसके कुछ देर बाद आग बढ़ गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग से बस पूरी तरह से खाक हो गई।

नजदीक का पेट्रोल पंप बंद कराया

सूचना के बाद राजेन्द्र नगर थाने के पुलिस के जवान भी पहुंचे थे, जिस डिपो में आग लगी। उसके पास ही एक पेट्रोल पंप भी है। घटना को देखते हुए कुछ देर पंप को बंद करवा दिया गया था। हालांकि इस आग में किसी तरह की जनहानि नही हुई। जब यह घटना हुई, तब बस में कोई यात्री नहीं थे और न ही इंजन स्टार्ट था। पार्किंग में खड़ी एक बस में आग लगी। फिर समीप खड़ी दूसरी बस ने भी आग पकड़ ली। आग क्यों और कैसे लगी, इसकी पड़ताल की जा रही है। बंद बसों में आग लगने की घटना से संचालक भी हैरान हैं। सीसीटीवी कैमरों की मदद से यह भी पता लगाया जा रहा है कि आग किसी ने लगाई तो नहीं है। जली हुई दोनों बसें रोज इंदौर से दूसरे शहरों के लिए जाती थीं।

नाकाबंदी कर दबोचा : पुलिस की तत्परता की सराहना

90 लाख की कार लेकर कारोबारी का ड्राइवर भागा

जांच में पता चला कि आरोपी खंडवा जिले के हरसूद का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ शुरू कर दी।

संवाददाता ● इंदौर

घटना

पलासिया में कारोबारी राकेश अग्रवाल की 90 लाख रुपए की रेंज रोवर कार को उनका ड्राइवर दुर्गेश तंवर लेकर फरार हो गया। कारोबारी ने जब अपनी कार का जीपीएस ट्रैकर चेक किया तो पता चला कि कार हरदा की ओर जा रही थी। उन्होंने तुरंत अपने ड्राइवर को कॉल किया, लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद मिला। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने तुरंत कंट्रोल रूम को इस घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही सीएसपी तुषार सिंह की टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। इटारसी रोड पर नाकाबंदी कर पुलिस ने कार को ट्रेस कर लिया और उसे जब्त कर लिया। इसके साथ ही फरार ड्राइवर दुर्गेश तंवर को हिरासत में ले लिया गया। जांच में पता चला कि आरोपी खंडवा जिले के हरसूद का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ शुरू कर दी। कार को इंदौर लाकर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी का मकसद क्या था और उसने यह कदम क्यों उठाया। इस पूरी घटना के बाद कारोबारी ने राहत की सांस ली, वहीं पुलिस की तेज कार्रवाई की भी सराहना की जा रही है।

मॉर्निंग वॉक में महिला को धक्का देकर चेन लूटी, पैर-गर्दन पर चोट

इंदौर। कनाड़िया क्षेत्र में बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला को धक्का देकर उसकी सोने की चेन लूट ली। दूसरी वारदात भागते हुए बदमाशों ने पलासिया इलाके में की। इस मामले में पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। कनाड़िया पुलिस के अनुसार, संचार नगर निवासी उर्वशी शर्मा अपनी सहेली भावना के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। जब वे अमिता धाकड़ मेडम के क्लिनिक के पास पहुंचीं, तो पीछे से एक बदमाश आया और उर्वशी के गले से सोने की चेन झपटने लगा। भावना ने उसे रोकने की कोशिश की तो बदमाश ने उसे धक्का दे दिया, जिससे उर्वशी गिर गई। इस दौरान उसकी चेन टूटकर गिर गई। इसके बाद बदमाश का साथी बाइक लेकर मौके पर पहुंचा और दोनों फरार हो गए। उर्वशी के मुताबिक, झड़प के दौरान उसके पैर और गर्दन पर चोट आई है। पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों बदमाश सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और बदमाशों की तलाश जारी है। दूसरी वारदात पलासिया इलाके की पत्रकार कॉलोनी में हुई। यहां भी चेन लूट की वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया। उन्होंने भी मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को निशाना बनाया।

प्रयागराज महाकुंभ की संस्कृति व एकता को दर्शाते हुए श्री पीतरेश्वर धाम के फलाहारी बाबा का रूप धरा

बजरबट्टू सम्मेलन में फलाहारी बाबा के रूप पहुंचे विजयवर्गीय

संवाददाता ● इंदौर

शहर में रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर मंगलवार को बजरबट्टू सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हमेशा की तरह अलग वेशभूषा में शामिल हुए। इस बार उन्होंने हाल ही संपन्न हुए प्रयागराज महाकुंभ की संस्कृति व एकता को दर्शाते हुए श्री पीतरेश्वर धाम के फलाहारी बाबा का रूप धरा। इसके बाद वे फाग यात्रा में विशेष रथ पर राधाकृष्ण रास नृत्य, रासलीला करते शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम में वे ही लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। बजरबट्टू महोत्सव से पूर्व मीडिया से बातचीत में विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर तो त्योहारों का ही शहर है। यहां रंगपंचमी उत्साह के साथ मनाई जाती है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कहीं और इस तरह का रंगपंचमी उत्सव मनाया जाता होगा। पूरा शहर मानो सड़कों पर उतर आता है, लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, कोई किसी को पहचानता तक नहीं, फिर भी सभी एक-दूसरे को शुभकामनाएं और बधाइयां देते हैं। यह इस शहर की खूबसूरती है कि यहां के लोग इसे दिल से प्यार करते हैं।

आयोजन का 26 वां साल

अ.भा. हिंद मालवा बजरबट्टू हास्य कवि सम्मेलन और भव्य शोभायात्रा का 26वां वर्ष है। हिंद मालवा के संयोजक अशोक चौहान चांदू, आयोजक भूपेन्द्र सिंह केसरी अध्यक्ष गिरीश जैन, ललित सी. जैन, अजय लाहोटी ने बताया कि मंगलवार को छोटा गणपति मंदिर मल्हारगंज थाने के पास अखिल भारतीय बजरबट्टू हास्य कवि सम्मेलन एवं शोभायात्रा का आयोजन रखा गया था। इसमें आदिवासी नृत्य कलाकार ढोल, नगाड़ों पर भगोरिया नृत्य करते शामिल हुए । महाराष्ट्र के नृत्य कलाकार, नासिक के ढोल, लावणी नृत्य से जनता का मन मोहा, राजस्थानी कलाकार 'घूमर' नृत्य का प्रदर्शन करते हुए दिखे। पंजाबी कलाकार गिद्दा व सिख अखाड़े के कलाकर शस्त्र कला का प्रदर्शन करते चले। यात्रा में यात्रा में 30 घोड़े, 10 ऊंट, बग्घियां, 10 बैंड, डीजे गाडियों पर झूमते युवा, नाचते, गाते शामिल रहे 150 ढोल ने पूरे माहौल को गुंजायमान कर दिया। पूरी यात्रा के दौरान लगातार जमकर आतिशबाजी भी की गई । शोभायात्रा का आगाज उज्जैन की प्रसिद्ध कड़ाबीन के धमाकों से हुआ।

बजरबट्टू के रूप में पत्रकार

शोभायात्रा का शुभारंभ सेठ चुन्नीलाल की धर्मशाला खजूरी बाजार से हुआ। शहर के पत्रकार बजरबट्टू के रूप में रंगबिरंगी आकर्षक वेशभूषा में शामिल हुए। यात्रा में शहर के संत समाज भी धर्म के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए दिखे। यात्रा समापन कार्यक्रम स्थल छोटा गणपति मंदिर पर हुआ । इसके बाद शहर के लोगों का उल्लेखनीय कामों के लिए सम्मान किया गया।

हास्य कवि सम्मेलन में सम्मान

इसके बाद अ.भा. बजरबट्टू हास्य कवि सम्मेलन शुरू हुआ जिसमें पद्मश्री सुरेन्द्र दुबे (हास्य सम्राट) रायपुर, जॉनी वैरागी (हास्य सम्राट) राजोद, दिनेश देसी (हास्य बम) बेरछा, भुवन मोहिनी इन्दौर, चेतन चर्चित (लाफ्टर टी.वी. चैंपियन) मुम्बई, अतुल ज्वाला (राऊ) कवि सम्मेलन का संचालन शशिकांत यादव (सबरस संचालक) देवास रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व सांसद नारायण सिंह केसरी, राष्ट्रीय कवि मंच सम्राट सत्यनारायण सत्तन, रमेश मेंदोल, गोलू शुक्ला, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, जीतू जिराती, आकाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, के.के. गोयल, अश्विनी शुक्ल सहित गणमान्य शामिल हुए।

शॉट न्यूज

भारतीय मजदूर संघ का केंद्रीय बजट के खिलाफ कलेक्टोरेट पर प्रदर्शन

इंदौर। भारतीय मजदूर संघ ने मंगलवार को कलेक्टोरेट पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय बजट 2025-2026 पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। भारतीय मजदूर किसान संघ में मीडिया को बताया कि बजट में आयकर सीमा बढ़ाने, डेयरी उद्योग, मत्स्य उद्योग, गिग वर्कर और लघु उद्योगों को राहत देने के प्रयास किए गए हैं, लेकिन संघ को लगता है कि बजट में उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर पूरी तरह से कार्यवाही नहीं की गई है। ईपीएस 95 के पेंशनर्स की उपेक्षा 75 लाख से अधिक पेंशनर्स को कोई राहत नहीं दी गई है, जिससे उनमें निराशा व्याप्त है। स्कीम वर्कर्स और मजदूरों की उपेक्षा स्कीम वर्कर, आंगनवाड़ी, आशा मिड डे मील, बीड़ी, प्लांटेशन, चाय बागान मजदूर, कृषि मजदूर और खनन मजदूरों की उपेक्षा की गई है।

ऑटो ड्राइवर ने किया सुसाइड होली में पत्नी गई थी मायके

इंदौर। चंदन नगर में रहने वाले एक ऑटो ड्रायवर ने सुसाइड कर लिया। जब उसकी मां कमरे में पहुंची तो वह फंदे पर लटके मिला। आसपास के लोगों को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को मौके पर बुलाया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय भेजा गया है। चंदन नगर पुलिस ने बताया कि शुभम मालवीय (32) निवासी बलाई मोहल्ला ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह शुभम की मां कचरा फेंकने बाहर आई। इसके बाद शुभम के देर तक नही उठने पर आवाज दी। जबाव नहीं मिलने पर कमरे में झांकी तो बेटा फंदे पर लटका हुआ था। इसके बाद घर वालों को आवाज देकर बुलाया। परिवार के मुताबिक पत्नी होली के त्योहार को लेकर मायके गई हुई थी। शुभम का एक बेटा भी है। परिवार में छोटा भाई तन्नू है जो कपड़े की दुकान पर काम करता है।

विधवा बहन के साथ भाई ने की धोखाधड़ी

इंदौर। एरोड्रम में रहने वाली विधवा की शिकायत पर उसके भाई के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया है। महिला के मुताबिक, मां की संपत्ति के मकान को लेकर भाई ने फर्जी दस्तावेज बनाकर उसके साथ धोखाधड़ी की है। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक, पूजा अवस्थी निवासी आईडीए मल्टी की शिकायत पर उसके भाई अमित अवस्थी निवासी चौरसिया नगर एयरपोर्ट रोड और उसके एक अन्य साथी के खिलाफ पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज के माध्यम से धोखाधड़ी किए जाने के मामले में केस दर्ज किया है। पूजा ने बताया कि उनकी मां शंकुतला ने एक रजिस्टर्ड वसीयत बनाई। इसमें चौरसिया नगर का मकान उसके नाम किया था। इसमें सगे भाई अमित ने फर्जी शपथ पत्र और डॉक्यूमेंट बनवाकर मकान अपने नाम करवा लिया। इस मामले में पूजा ने अधिकारियों से भी शिकायत की थी।

झटका : जहां से गेर निकलेगी, वहां के लोगों को 8 घंटे नहीं मिलेगी बिजली

संवाददाता ● इंदौर

शहर में बुधवार को लाखों लोग रंगों का लुत्फ तो उठाएंगे, लेकिन जिन इलाकों से गेर निकलेगी, उसके आसपास के क्षेत्रों के रहवासियों को 8 घंटे बगैर बिजली के रहना होगा। बिजली कंपनी में शट डाउन वाले इलाकों का शेड्यूल जारी किया है। रंगपंचमी पर जब गेर निकलती है तो मशीनों के द्वारा 70 से 100 फीट ऊंचाई तक पानी और रंगों की बौधार की जाती है। जिस चार किलोमीटर लंबे रुट से गेर में हजारों लोग निकलते हैं, वहां बिजली के तार और हाइटेंशन लाइन भी हैं। पानी के संपर्क में आने के कारण गेर में शामिल लोगों को करंट न लगे। इसके लिए 8 घंटे तक बिजली बंद रखने का फैसला लिया है। गेर यदि जल्दी समाप्त होती है तो बिजली सप्लाई शाम चार बजे से पहले बहाल कर दी जाएगी।

शेड्यूल

ये इलाके बिना बिजली के रहेंगे

सुबह 9 बजे से शाम चार बजे तक जिन्सी हाट मैदान, मल्हारगंज, कैलाश मार्ग, तेली बाखल, कुम्हार मोहल्ला, बड़ा गणपति, मल्हारगंज, कैलाश मार्ग, शंकर गंज, मेट्रो अस्पताल,बड़ा गणपति, अंतिम चौराहा तक की बिजली गुल रहेगी। यह इलाके 11 केवी फीडर से जुड़े

है। इसके अलावा राम लक्ष्मण मंदिर, इमामबाड़ा,गोपाल मंदिर, सराफा, अटाला बाजार, नंदालालपुरा, कृष्णपुरा छत्री, भोई मोहल्ला, स्मृति टॉकीज क्षेत्र, अहिल्यापुरा, जूना रिसाला, छिपा बाखल, निहालपुरा, गोपाल मंदिर, खजूरी बाजार, बड़ा सराफा, मुकेरीपुरा, क्लाथ मार्केट, जिंसी हाट, तम्बोली बाखल, गोराकुंड चौराहा, कानूनगो बाखल, सालवी बाखल, बंबईई बाजार, बजाजखाना चौक, शक्कर बाजार, मंगल सदन, कबूतरखाना, पंढ़रीनाथ, रेशम वाली गली, गफूर खां की बजरिया, पीर गली, सुभाष चौक, जूनी बाखल, इमली बाजार, कुंवर मंडली, शिव विलास पैलेस, बड़वाली चौकी क्षेत्र की बिजली बंद रहेगी।

चांदी हुई लखपति ऑल टाइम हाई पर

संवाददाता ● इंदौर

शहर में सोने-चांदी की कीमत 18 मार्च को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। चांदी ने तो एक लाख का आंकड़ा छू लिया। वहीं सोना भी 90 हजार के आसपास चल रहा है। सराफा एसोसिएशन के मंत्री बसंत सोनी ने बताया कि सराफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में स्थिरता थी। सोना कैडबरी 88,900 रुपए प्रति दस ग्राम पर बिका, जबकि चांदी चौरसा 99,200 रुपए प्रति किलो के भाव पर कारोबार हुआ था। हालांकि मंगलवार को बाजार में ग्राहकी तो कमजोर रही, लेकिन सोने-चांदी के भाव में तेजी देखी गई। सोना कैडबरी 89,350 रुपए प्रति दस ग्राम पर बिका जबकि आरटीजीएस में यह 90730 रहा। उधर चांदी चौरसा में 1 लाख रुपए प्रति किलो के भाव पर कारोबार हुआ। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 253 बढ़कर 88,354 हो गया है। इससे पहले गोल्ड कल 88,101 पर था। वहीं एक किलो चांदी 633 महंगी होकर 1,00,400 प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी का भाव 99,767 प्रति किलो था। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 12,192 बढ़कर 88,354 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 14.338 रुपए बढ़कर 1,00,400 रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

सोने की कीमत 90 हजार के आसपास

सावधान ! आज बंद रहेंगे ये रास्ते,

इसलिए संभलकर ही निकलें घर से

संवाददाता ● इंदौर

शहर में रंगपंचमी की रंगारंग गेर को देखते हुए राजवाड़ा और इसके आसपास के मार्गो और बाजार क्षेत्र में जबर्दस्त भीड़ रहेगी। पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) अरविंद तिवारी ने यातायात प्रबंधन क्षेत्र के अधिकारी/कर्मचारियों बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए हैं। क्रेन व सपोर्ट द्वारा सभी ड्यूटी पॉइंट, डाइवर्शन पॉइंट पर बेरिकेड्स व स्टॉपर्स रखे जा रहे है। रंगपंचमी इंतजाम व्यवस्था के दौरान क्यूआरटी टीमें भ्रमण कर माइक से एनाउंस व वीडियोग्राफी कर यातायात प्रबंधन का कार्य करेंगी। सभी अधिकारी/कर्मचारी अपने डयूटी पॉइंट पर बेहतर यातायात व्यवस्था बनाये रखेंगे। संपूर्ण गेर मार्ग पर गेर में शामिल वाहनों के अतिरिक्त सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश व पार्किंग प्रतिबंधित रहेगा।

प्रबंधन

ये मार्ग रहेंगे प्रतिबंधित

- हैमिल्टन रोड व फ्रूट मार्केट से राजवाड़ा की ओर।
- इमली बाजार से राजवाड़ा की ओर।
- बड़वाली चौकी से गोराकुंड की ओर।
- यशवंत रोड व आड़ा बाजार गली से राजवाड़ा की ओर।
- रामलक्ष्मण बाजार से पीपली बाजार की ओर।
- नृसिंह बाजार से सीतलामाता बाजार की ओर।
- मालगंज से लोहार पट्टी की ओर।
- अंतिम चौराहा से लोहार पट्टी की ओर।
- जवाहर मार्ग से सराफा, बजाजखाना चौक, बर्तन बाजार गली, निहालपुरा गलियों में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
- गेर मार्ग पर समस्त प्रकार की वाहनों की पार्किंग सुबह 7 बजे से प्रतिबंधित रहेगी तथा इस क्षेत्र के रहवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने वाहनों को सुभाष चौक या बजाजखाना चौक पार्किंग में ही रखें।

अभी तो राष्ट्रीय धरोहर ही नहीं बन पाई

संवाददाता ● इंदौर

विश्व धरोहर का सपना कब होगा पूरा

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की अपनी अनूठी परंपराएं भी इसे नंबर वन बनाने में सहयोग करती है। इंदौर अपने आप में अनूठा इसलिए भी है कि यहां साल मे दो ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते हैं जो विश्व में कहीं देखने को नहीं मिलते हैं। पहला अनंत चतुर्दशी की झिलमिलाती झांकियों का है। वहीं दूसरा सराबोर करती रंगारंग गेर का। यह दोनों आयोजन इंदौर की सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा का अनूठा प्रमाण है। कोरोना काल के पहले इंदौर के प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर वासियों को सपना दिखाया था कि इस रंगारंग गेर को विश्व धरोहर में शामिल करने के प्रयास किया जा रहा हैं। इस मामले में हमारे जनप्रतिनिधि भी शहर वासियों को लगातार भरोसा देते आए हैं। लेकिन वस्तु स्थिति यह है कि परंपरागत रूप से निकलने वाली यह गेर अभी राष्ट्रीय धरोहर के रूप में ही मान्य नहीं हुई है, ऐसे में यूनेस्को में शामिल होना तो दूर की कौड़ी नजर आती है। टोरी कॉर्नर की गेर आजादी के समय 1947-48 के दरमियान निकलना शुरू हुई थी, तब से लेकर आज तक यह परंपरा जीवंत है। सांस्कृतिक परंपराओं के पोषक शहर वासियों ने इसमें इजाफा ही किया है जहां एक मात्र गेर पूरे शहर को रंगों से सराबोर करती थी, अब इनकी संख्या बढ़ गई है। संगम कॉर्नर, रसिया कॉर्नर, मोरल क्लब और राधा-कृष्ण फाग यात्रा का अनूठा कारवां शहर के मध्य निकलता है।

रंगारंग

लाखों शामिल, करोड़ों दर्शक – पिछले दो दशक में इंदौर की परंपरागत गेर में शामिल होने वाले लोगों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है एक अनुमान के अनुसार गेर में शामिल होने वालों की संख्या लगभग 7 लाख को पार कर गई है वही इसका लाइव प्रसारण होने के कारण पूरी दुनिया में करोड़ों लोग इसे निहारत हैं। यूनेस्को में शामिल होने के बाद इस प्रकार के आयोजनों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजक और प्रायोजक मिलने लगेंगे।

कठिन है डगर

जानकारी के अनुसार इंदौर की गेर अभी राष्ट्रीय धरोहर में शामिल नहीं है। पहले वो यहां शामिल होगी, तभी उसे यूनेस्को भेजा जाएगा। यूनेस्को द्वारा 2 साल में एक बार किसी धरोहर को शामिल किया जाता है। इस बारे में सांसद लालवानी का कहना है कि हमने इस प्रकार का प्रस्ताव दिया है। वहीं महापौर का भी कहना है कि हम राज्य सरकार को गेर में शामिल होने के लिए बुला रहे हैं।

ऐतिहासिक और पारंपरिक रंगारंग आयोजन आज अपना रंग बिखेरेगा, युवा और बच्चे सबसे ज्यादा उत्साहित

इस बार तीन गेर और एक फाग यात्रा निकलेगी

संवाददाता ● इंदौर

हमारी इस ऐतिहासिक रंगारंग गेर की पहचान देशभर में है। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में इस बार तीन गेर और एक फाग यात्रा निकाली जाएगी।

रंगपंचमी पर होने वाली विश्वप्रसिद्ध पारंपरिक गेर आज अपना रंग बिखेरती नजर आएगी। यह लगभग 3 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव, एनआरआई सहित लाखों लोग शामिल होंगे। गेर के दौरान लाखों लीटर पानी और हजारों किलो गुलाल-रंग लोगों पर उड़ाए जाएंगे। नाच-गाने के लिए डीजे भी मौजूद रहेंगे। बैलगाड़ी से शुरू हुआ गेर का सफर मिसाइल, टैंकर, डीजे सहित मॉडर्न साधनों तक पहुंच चुका है। हमारी इस ऐतिहासिक रंगारंग गेर की पहचान देशभर में है। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में इस बार तीन गेर और एक फाग यात्रा निकाली जाएगी। इसमें राधा-कृष्ण फाग यात्रा, मॉरल क्लब गेर, संगम कॉर्नर गेर, टोरी कॉर्नर गेर होगी। 370 लोगों ने गेर देखने के लिए छतों पर बुकिंग करवाई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि गेर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह से सुसंगत किया गया है। महापौर ने बताया कि पिछले दो सालों से नगर निगम भी आधिकारिक रूप से इस गेर में शामिल हो रहा है। इस बार नगर निगम की गेर रहेगी और एनआरआई का रथ भी होगा।

परंपरागत

इस तरह रहेगा रास्ता

बुधवार सुबह टोरी कॉर्नर चौराहे से गेर की शुरुआत होगी। फिर यह गौराकुंड चौराहा, खजूरी बाजार, राजवाड़ा पहुंचेगी। इसके बाद राजवाड़ा से घूमकर सराफा, सीतलामाता बाजार होते हुए अपने-अपने गंतव्य तक जाएगी। संगम कॉर्नर की गेर मल्हारगंज से शुरू होकर टोरी कॉर्नर चौराहे से आगे बढ़ेगी। राधा-कृष्ण फाग यात्रा की शुरुआत नृसिंह बाजार स्थित बद्रीनारायण मंदिर से होगी। यहां से यह सीतलामाता बाजार, गोराकुंड, खजूरी बाजार, राजवाड़ा, पीपली बाजार, सराफा होते हुए फिर मंदिर पर समाप्त होगी। मॉरल क्लब गेर छीपाबाखल से गोराकुंड, खजूरी बाजार, राजवाड़ा, गोपाल मंदिर, सर्राफा और कपड़ा मार्केट होते हुए छीपाबाखल पर समाप्त होगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि गेर के लिए सभी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। गेर मार्ग पर आइडेंटिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंच लगाने, वॉच टावर बनाने और सीसीटीवी कैमरे लगाने की जगह भी निर्धारित की जा चुकी है। गलियों में बीच-बीच में एग्जिट रूट बनाए गए हैं, जहां एम्बुलेंस भी उपलब्ध रहेगी, ताकि कोई घटना होने पर तुरंत सहायता मिल सके। कैबिनेट के आने की सूचना नहीं है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।

खुश रहने के लिए अपनी खुद की स्टाइल खोजे

9 मार्च को मैं भोपाल से हैदराबाद जा रहा था। वो छोटा विमान था, जिसमें आगे की दो कतारें एक-दूसरे के सामने थीं, जैसे डायनिंग टेबल पर बैठते हैं और वहां बैठने वाले यात्रियों में मैं भी एक था। मेरे आगे बढ़िया जींस, वाइट टी-शर्ट, स्पोर्ट्स शूज पहने सज्जन आकर बैठे। हमारे पीछे दूर की कतार में बैठे बिजनेसमैन फुर्ती दिखाते हुए अचानक आए और उन सज्जन को नमस्कार करते हुए कुछ टिप्पणी की, जिस पर मैंने गौर नहीं दिया। हालांकि उनका जवाब सुनकर मैंने टिप्पणी का अंदाजा लगाया। जवाब था, ह्यमेरी हेल्थ को लेकर आपके इस कमेंट को मैं कॉम्प्लिमेंट की तरह लेता हूं, थैक्यूह्न अब आपने अंदाजा लगा लिया होगा कि उन महाशय ने क्या कहा होगा- उन्होंने शायद उनसे कहा होगा कि इन दिनों आपने कुछ ज्यादा ही वजन बढ़ा लिया है।
इस टिप्पणी के बाद उनका जवाब मुझे अच्छा लगा और मेरे कान आगे की बात सुनने बेताब थे। पर वो बिजनेसमैन अपनी सीट पर बैठ गए और फिर दो घंटे की फ्लाइट में चर्चा के लिए वापस नहीं आए, जबकि इस बीच हमने इकोनॉमी, पॉलिटिक्स, लोगों के व्यवहार से लेकर पब्लिक पॉलिसी पर बात की।

जींस-टीशर्ट में मौजूद वो शख्स 2001 बैच के आईएएस अधिकारी और मप्र में पीएचई विभाग के प्रमुख सचिव पी. नरहरि थे। दिलचस्प बात थी कि विमान से निकलते हुए नरहरि ने उन्हीं बिजनेसमैन से ऐसे बात की, मानो कुछ हुआ ही न हो। इस रविवार को मुझे ये घटनाक्रम तब याद आ गया, जब एक घटना सुनी। अहमदाबाद में रहने वाली 25 वर्षीय एक महिला ने एक व्यक्ति के खिलाफ यह कहते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसने तथाकथित रूप से उसकी हाइट का मजाक उड़ाया और इसके बाद हुई बहस में उसने उसके सिर पर मारा।

मुझे इस केस की डीटेल में रुचि जागी। यह घटनाक्रम तब हुआ, जब एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में काम कर रही यह महिला इस शनिवार

> दिलचस्प बात थी कि विमान से निकलते हुए नरहरि ने उन्हीं बिजनेसमैन से ऐसे बात की, मानो कुछ हुआ ही न हो। इस रविवार को मुझे ये घटनाक्रम तब याद आ गया, जब एक घटना सुनी। अहमदाबाद में रहने वाली 25 वर्षीय एक महिला ने एक व्यक्ति के खिलाफ यह कहते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसने तथाकथित रूप से उसकी हाइट का मजाक उड़ाया और इसके बाद हुई बहस में उसने उसके सिर पर मारा।

की दोपहर को अपने दो दोस्तों के साथ पानी-पूरी खा रही थी और एक कॉमन फ्रेंड भी वहां आ गया, जिसने तथाकथित रूप से उसकी हाइट पर टिप्पणी की। महिला ने शिकायत में बताया, ह्यउस लड़के ने मुझे कहा कि अगर मेरे माता-पिता ने बचपन में मेरे हाथ-पैर खींचकर लटकाया होता, तो मैं लंबी होती। मैंने उससे कहा था कि मेरी हाइट या शरीर पर टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं है। यहां तक कि उसके दोस्त भी उस पर हंसे और मजाक उड़ाया, जिसके बाद उसने उस कॉमन फ्रेंड लड़के से बात नहीं की। ज्यों ही वे निकल रहे थे, शिकायतकर्ता ने आरोपी से कहा, ह्यवह दोबारा उसकी शक्ल नहीं देखना चाहती।ह्न इससे गुस्सा होकर आरोपी ने उस पर भद्दा कमेंट किया और कार में बैठने के बाद कहा कि वह लड़कियों पर हाथ नहीं उठाता, नहीं तो दिखा देता।महिला ने शिकायत में बताया कि मैंने उसे कहा कि हिम्मत है तो छूकर दिखाओ, इसके बाद वो कार से उतरा और मेरे सिर के बाएं हिस्से में तीन बार मारा। तब दोस्तों ने मुझे बचाया। अपने पिता की सलाह के बाद इस रविवार को उस महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मैं आजकल देखता हूं कि बात करने के लिए ठोस मुद्दा नहीं होने के कारण लोग एक-दूसरे के लुक्स के आधार पर उन्हें जज करने लगे हैं- तुम बहुत दुबली-पतली हो, लंबी/लंबे हो, नाटे हो या ड्रेस खराब है। और जब लोग ऐसे कमेंट्स सुनते हैं, तो भावनाओं को काबू कर पाना मुश्किल हो जाता है और यही कारण है कि मैंने नरहरि के पब्लिक बिहेवियर का जिक्र किया।मनोविशेषज्ञ सलाह देते हैं कि जो लोग आत्मविश्वास में कमी के शिकार हैं, उन लोगों को यह निर्णय कर लेना चाहिए कि मेरा लुक कैसा होना चाहिए और उसके मुताबिक ड्रेसअप करना चाहिए। हालांकि बाहरी लोग वैसे भी आपको जज करेंगे। ये सुनने में आसान लगता है पर अमल में लाना मुश्किल, लेकिन ये एकमात्र तरीका है। जब आप जवान होते हैं, तब तो ये और भी मुश्किल हो जाता है। याद रखें कि कैट विंसलेट और एंजेलिना जोली जैसी एक्ट्रेस भी अपने लुक्स पर ऐसी टिप्पणियों की शिकार हो चुकी हैं।

संत वचन

फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। इन सभी में संदर्भ को इस तरह से समझा जाना चाहिए कि प्रभु को उन सभी फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों से लगातार विरोध और अस्वीकृति, जिद्दी रवैये और बाधाओं का सामना करना पड़ा था, जो अक्सर उनकी शिक्षाओं पर संदेह करते थे, उनके सिखाने और चमत्कार करने के अधिकार पर सवाल उठाते थे, और जो प्रभु ने उन्हें प्रकट किया था और सिखाने का प्रयास किया था, उसका विरोध करने के लिए परमेश्वर के कानून की अपनी सख्त और कठोर व्याख्या और समझ का उपयोग करते थे। इस प्रकार, प्रभु को अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस में बुनियादी स्तर पर अब बदलाव की दरकार है

कांग्रेस पार्टी को अगर पुनर्जीवित होना है तो इसके लिए पहले अपने में आमूलचूल बदलाव लाना होगा। 8-9 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद में होने वाला एआईसीसी का अगला सत्र इसका एक अवसर है। पार्टी को पुनर्जन्म की जरूरत है, क्योंकि वह भारत के जिस विचार का प्रतिनिधित्व करती है, वह अभी भी प्रासंगिक है। लेकिन उसे इसलिए बदलना होगा, क्योंकि वह आज जिस रूप में मौजूद है, वह चुनावी तौर पर उस विचार को कायम रखने में असमर्थ है। कांग्रेस की विचारधारा- जैसी कि उसके संस्थापकों ने कल्पना की थी- लोकतंत्र, मानवाधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सर्वधर्म-समभाव की थी। जब पार्टी सत्ता में रही, तब इन आदर्शों का जब-तब उल्लंघन जरूर किया जाता रहा- आपातकाल इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है- लेकिन उसका व्यापक दृष्टिकोण अभी भी कायम है। हालांकि 1984 के लोकसभा चुनावों के बाद से- जब उसे 48.1 प्रतिशत वोट मिले थे- कांग्रेस कभी भी अपने दम पर सत्ता नहीं हासिल कर पाई है।

एडिट.नोट

उसका वोट-प्रतिशत 2014 के बाद से औसतन लगभग 20 प्रतिशत रहा है, जबकि 1977 की पराजय में भी पार्टी को 34.5 प्रतिशत वोट मिले थे। इससे भी बुरी बात यह है कि पार्टी में पुनरुत्थान के कोई संकेत नहीं नजर आ रहे। जमीनी स्तर से लेकर ऊपर तक पार्टी का समूचा पुनर्गठन ही इसका इकलौता समाधान है। चिंतन शिविर या अन्य सतही बदलावों से कोई फायदा नहीं होने वाला है। जब शरीर वेंटिलेटर पर हो तो बैंड-एड कारगर नहीं होता। मूल समस्या यह है कि कांग्रेस संगठनात्मक रूप से निष्क्रिय हो गई है। उसके जमीनी ढांचे और कैडर की ताकत ढह गई है। इसलिए, कांग्रेस तो आज भी खड़ी है, लेकिन बिना नींव के। ऐसी स्थिति में पार्टियां केवल बयानबाजी के स्तर पर ही काम कर सकती हैं। 1984 के चुनावों में लोकसभा में सिर्फ 2 सीटें जीतने से लेकर 2014 में भाजपा के बहुमत में आने और उसके बाद लगातार दो कार्यकालों में सत्ता में वापसी करने तक का कारण यह है कि उसने अपने जमीनी संगठन, कैडर (संघ स्वयंसेवकों सहित) और विचारधारा पर ध्यान केंद्रित किया है। कांग्रेस ने इनमें से पहले दो को लंबे समय से नजरअंदाज किया है और तीसरे पर वह लड़खड़ा रही है।

कांग्रेस के पतन के तीन प्रमुख नतीजे रहे हैं। सबसे पहले, भाजपा के अलावा किसी अन्य प्रभावी राष्ट्रीय पार्टी की अनुपस्थिति संसदीय लोकतंत्र के कामकाज को विकृत करती है। हमारे पास राज्यों में मजबूत विपक्षी दल जरूर हैं, लेकिन एक सुसंगत राष्ट्रीय विपक्ष की अनुपस्थिति बहुत बड़ा अभाव रचती है। दूसरे, अपने निरंतर क्षरण को देखते हुए कांग्रेस विपक्ष में केंद्रीय भूमिका नहीं निभा सकती है। भाजपा एनडीए में वह भूमिका निभाती है। इसके विपरीत, कांग्रेस को इंडिया गठबंधन के घटक-दल एक जोड़ने वाली चीज के बजाय एक बोझ के रूप में देखते हैं। इससे केवल विपक्ष के आंतरिक विरोधाभास बढ़ते हैं और लोकतांत्रिक संतुलन गड़बड़ाता है। तीसरे, पार्टी के खस्ताहाल के बावजूद उसमें ठहराव और गतिरोध की स्थिति है। इससे पार्टी कार्यकर्ता और हतोत्साहित होते हैं और नेताओं का पलायन बढ़ता है। कोई आश्चर्य नहीं कि हाल ही में गुजरात में राहुल गांधी ने अपने ही नेताओं पर भाजपा के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगा दिया था। गांधी परिवार की तिकड़ी भले ही नेक इरादे वाली हो, लेकिन वे हालात को सुधारने में लगातार नाकाम रहे हैं। वे एक ऐसी मंडली से घिरे हैं, जो जानबूझकर प्रतिभाशाली नेताओं से दूरी बनाती है। वे झूठी आत्मसंतुष्टि से ग्रस्त रहते हैं और उम्मीद करते हैं कि एक दिन भाजपा खुद लड़खड़ा जाएगी और उन्हें सत्ता सौंप देगी।

जयती घोष - लेखक

अमेरिका को संयुक्त राष्ट्र से निरंतर दूर ले जा रहे हैं ट्रम्प

व्हाइट हाउस में वापसी करने के बाद से ट्रम्प ने जितने भी भू-राजनीतिक करतब दिखाए हैं, उनमें से संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में अमेरिका की वोटिंग उनकी मंशाओं के बारे में सबसे अधिक खुलासा करने वाली थी। सबसे पहले तो अमेरिका ने एक ऐसे नेक इरादे वाले प्रस्ताव का विरोध किया, जो अंतरराष्ट्रीय शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व दिवस की स्थापना करना चाहता था और जो सस्टेनेबल-डेवलपमेंट के लिए यूएन के 2030-एजेंडे को पुख्ता बनाता था। यह एक प्रतीकात्मक प्रस्ताव भर था, इसके बावजूद अमेरिका ने इसके खिलाफ मतदान किया। उसके प्रतिनिधि एडवर्ड हार्टनी ने स्पष्ट किया कि अमेरिका एजेंडा-2030 और सस्टेनेबल-डेवलपमेंट के लक्ष्यों को अस्वीकार करता है। बहरहाल, अमेरिकी विरोध के बावजूद यह प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित हो गया। 162 देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया, दो देश मतदान से दूर रहे तथा केवल तीन देशों- अमेरिका, इजराइल और अर्जेंटीना ने इसके खिलाफ मतदान किया।

बाद में अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय आशा दिवस और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक कल्याण दिवस की स्थापना के लिए आमंत्रित किए गए संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्तावों का भी विरोध करते हुए अपनी आवाज दोगुनी कर दी। शिक्षा के लिए सभी के अधिकारों की पुष्टि करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ एकमात्र वोट भी अमेरिका का ही था, जिसमें युवा महिलाओं सहित युवाओं के लिए समान अवसरों के महत्व पर प्रकाश डाला गया था। कारण? संभवतः क्योंकि यह ट्रम्प प्रशासन के घरेलू एजेंडे के एक आधारस्तम्भ के प्रतिकूल था : विविधता, समानता और समावेश के कार्यक्रमों को खत्म करना। ये कदम संयुक्त राष्ट्र से अमेरिका के बाहर निकलने का पूवार्भास देते हैं, जिसका कि इलॉन मस्क और अन्य ट्रम्प समर्थकों ने भी आग्रह किया है। ट्रम्प पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को बाहर निकाल चुके हैं और उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते को भी त्याग दिया है। उनके प्रशासन ने मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) और फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए राहत और कार्य एजेंसी सहित संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों से अमेरिका को वापस ले लिया है। वह यूनेस्को में अपनी भागीदारी पर भी पुनर्विचार कर रहा है।

अमेरिका की ये कार्रवाइयां- साथ ही यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा करने वाले प्रस्ताव का विरोध- यह दशार्ता है कि ट्रम्प प्रशासन केवल कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से ही नाखुश नहीं है। बल्कि यह मूलतः किसी भी बहुपक्षीय ढांचे का विरोधी है, जो देशों के बीच समानता का सुझाव देता हो। कुछ विश्लेषकों का तर्क है कि यूएन से अमेरिका का पूरी तरह से हटना असंभव है, क्योंकि उसकी सुरक्षा परिषद में अमेरिका का वीटो बहुत प्रभाव रखता है। लेकिन भू-राजनीति के प्रति ट्रम्प के दृष्टिकोण को देखते हुए- जहां कूटनीति नहीं ताकत ही मायने रखती है- वह भी गैर-जरूरी लग सकता है।

यदि अमेरिका यूएन से बाहर निकलता है तो इसके वित्तीय परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यूएन के सबसे बड़े फाइनेंशियल समर्थक के रूप में अमेरिका ने 2022 में रिकॉर्ड 18.1 अरब डॉलर का योगदान दिया था, जो संगठन के कुल वित्त-पोषण का लगभग 20% है। इसमें से भी 70% से अधिक हिस्सा यूएन की चार संस्थाओं को गया था : 40% विश्व खाद्य कार्यक्रम को, 12% शरणार्थी उच्चायुक्त को, 10% यूनिसेफ को और 10% शांति अभियान विभाग को। और चूंकि इस फंडिंग का अधिकांश हिस्सा यूएसएड के माध्यम से आता था, जिसे ट्रम्प ने बंद कर दिया है, तो शायद यह फंडिंग भी पहले ही समाप्त हो चुकी हो। यह यूएन प्रणाली के लिए एक बड़ा झटका है और इसके परिणामस्वरूप उसके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम अब खतरे में हैं। ट्रम्प प्रशासन ने मनमाने एकतरफावाद और दबाव की रणनीति के प्रति अपने झुकाव को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर दिया है। वह अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के माध्यम से काम करने के बजाय देशों को धमकाने के लिए अपने दमखम का उपयोग कर रहा है। जब दुनिया की अग्रणी महाशक्ति ही वैश्विक सहयोग से मुंह मोड़ने लगेगी तो बहुपक्षीय शासन की वह प्रणाली- जिसे अमेरिका ने लगभग आठ दशक पहले स्थापित करने में मदद की थी- बिखरने लग सकती है। इसका उलटा भी सच है। ट्रम्प के कारण दुनिया के अन्य देश अधिक निकटता से मिल-जुलकर काम करने के लिए प्रेरित भी हो सकते हैं। इसका कारण भी स्पष्ट है। चाहे व्हाइट हाउस कितने भी जोरदार तरीके से इसका खंडन क्यों न करे, लेकिन मानवता के समक्ष आज मौजूद सबसे बड़ी चुनौतियां वैश्विक प्रकृति की ही हैं।

बिजनेस. न्यूज

चांदी पहली बार रुपए 1 लाख के पार: 633 रुपए बढ़कर 1 लाख 400 रुपए किलो हुई

10 ग्राम सोना रुपए 88,354 ऑलटाइम हाई

एजेंसी ● नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमत आज यानी, 18 मार्च को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्ष्खअ) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम ?253 बढ़कर ?88,354 हो गया है। इससे पहले गोल्ड कल ?88,101 पर था। वहीं, एक किलो चांदी आज ?633 महंगी होकर ?1,00,400 प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी का भाव ?99,767 प्रति किलो था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार इस साल सोना ?92 हजार तक जा सकता है।दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 90,000 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपए है।इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 12,192 रुपए बढ़कर 88,354 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 14.338 रुपए बढ़कर 1,00,400 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने से जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ गई हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोना महंगा हो रहा है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने से लोग गोल्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं। इस साल 92 हजार रुपए तक जा सकता है सोना केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड एळऋमें निवेश भी बढ़ रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 92 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ऌवक्ळकहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

राज-काज

चने में गिरावट की धारणा

इंदौर। चने के साथ अन्य दलहनो में भी गिरावट की स्थिथि है। मिलों की कमजोर मांग के कारण भावों में दबाव है। जानकारों का कहना है कि देसी चने पर मटर आयात का दबाव देखा जा रहा है। आने वाले कुछ दिनों में राजस्थान की मंडियों में सूखा चना आने लगेगा वहीं आवक भी काफी बढ़ जाएगी जिससे मप्र के चने पर और अधिक दबाव पड़ेगा, वहीं आयातित मटर का दबाव पहले से ही मप्र के चने पर है। इन कारणों के चलते मप्र के चने में अभी और गिरावट आने की बात कही जा रही है। काबुली चने में भी गिरावट का दौर जारी है। कामकाज काफी कम हुआ और लगभग बंद जैसी ही स्थिति थी। मंडियों में किसान भी कम संख्या में अपनी उपज लेकर पहुंचे। कम आवक और कमजोर लेवाली के चलते काबुली चने में गिरावट का वातावरण बना हुआ है। काबुली चने के भाव 6200 से 9,100 छोटे दाने वाले हल्के या अधिक लाल काबुली चने के भाव 7,000 से 7,890 रुपये बोले गए।

सेंसेक्स 1131 अंक ऊपर 75,301 पर बंद

निफ्टी भी 325 अंक चढ़ा, आज निवेशकों की वेल्थ 7.06 लाख करोड़ बढ़ी

एजेंसी ● मुंबई

ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेतों के बाद आज यानी, 18 मार्च को सेंसेक्स में 1131 अंक की तेजी रही, ये 75,301 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 325 अंक चढ़कर 22,834 पर बंद हुआ। इरए के 30 शेयरों में से 26 में तेजी रही। सबसे ज्यादा बढ़त जोमैटो में 7.43%, क्छक्छक बैंक में 3.40% और महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.07% रही। वहीं, ठरए के 50 शेयरों में से 46 में तेजी रही।

ठरए के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा तेजी निफ्टी मीडिया में 3.62%, रियल्टी में 3.16%, ऑटो में 2.38%, सरकारी बैंक में 2.29% और निफ्टी मेटल में 2.13% रही।शेयर बाजार में तेजी से निवेशकों की वेल्थ 7.06 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। मंगलवार, 18 मार्च को इरए पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 399.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सोमवार, 17 मार्च को यह 392.80 लाख करोड़ रुपए था। पॉजिटिव संकेतः 17 मार्च को अमेरिका का डाओ जोंस 0.85% चढ़कर 41,841 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट 0.31% चढ़ा। एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 1.46%, हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 1.75% की तेजी है। बाइंग मोमेंटमः पिछले साल अक्टूबर से लगातार आई गिरावट के बाद अब बाजार में थोड़ी रिकवरी है। अच्छे फंडामेंटल वाले काफी सारे शेयर सस्ते में मिल रहे हैं। ऐसे में निवेशक खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजार में तेजी नजर आ रही है।

सेक्टोरल परफॉर्मेंसः आज ठरए के सभी 19 सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। मीडिया, मेटल, ऑटो, सरकारी बैंक और रियल्टी इंडेक्स करीब 2% ऊपर हैं। निफ्टी आईटी और फार्मा इंडेक्स करीब 1% चढ़े हैं।

एरिसइंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी क्ढड 20 मार्च को ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू के लिए 25 मार्च तक बिडिंग कर सकेंगे। 28 मार्च को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (इरए) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ठरए) पर लिस्ट होंगे।हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी, सोमवार (17 मार्च) को सेंसेक्स 361 अंक चढ़कर 74,190 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 111 अंकों की तेजी रही, यह 22,508 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में फार्मा, बैंक और ऑटो शेयर सबसे ज्यादा चढ़े।

कोलकाता में विंटेज एवं क्लासिक कार एवं बाइक शो के दौरान एक आगंतुक विंटेज कारों की तस्वीरें क्लिक करता हुआ।

शकर उत्पादन में 16 फीसद गिरावट

व्यापार प्रतिनिधि ● इंदौर

सियागंज किराना बाजार में ग्राहकी कमजोर है। शकर में तेजी की धारणा बनने लगी है। वजह ये है कि शकर उत्पादन चालू सत्र 2024-25 में अब तक 16.13 प्रतिशत घटकर 2.37 करोड़ टन रह गया है, जिससे उच्च प्रारंभिक अनुमानों के आधार पर तैयार की गई सरकारी नीतियों के लिए चुनौतियां पैदा हो गई हैं।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ ने शकर उत्पादन आंकड़ों में 'अस्पष्टताइ पर चिंता व्यक्त की है, क्योंकि 2024-25 गन्ना पेराई सत्र (अक्टूबर-सितंबर) शुरू में अनुमानित उत्पादन से काफी कम उत्पादन के साथ समाप्त होने वाला है। उद्योग निकाय ने बयान में कहा कि सत्र शुरू होने के बाद से शकर उत्पादन अनुमानों को बार-बार संशोधित कर नीचे लाया गया है, जिससे सरकारी नीतियों के लिए चुनौतियां पैदा हो रही हैं, जो 3.33 करोड़ टन के प्रारंभिक अनुमान के आधार पर तैयार की गई थीं। उद्योग के एक वर्ग ने केंद्र सरकार को 3.33 करोड़ टन शकर उत्पादन का अनुमान पेश किया। उसके आधार पर केंद्र सरकार ने अपनी नीतियां बनानी शुरू कर दीं। केंद्र सरकार ने प्रारंभिक उत्पादन अनुमान के आधार पर जनवरी, 2025 में 10 लाख टन शकर के निर्यात की अनुमति दी थी, लेकिन अब वास्तविक उत्पादन के आंकड़े कम होने के कारण आपूर्ति-मांग में असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आगे चलकर बाजार तेज हो सकते है।

शकर 4120-4140 बेस्ट क्वालिटी 4160-4190, गुड़ भेली 3500-3600, कटोरा 3700-3800, लड्डू 4100-4200, बर्फी 5500, गिलास 4600-5000 रुपए क्विंटल।शकर-शकर 4180-4190 बेस्ट क्वालिटी 4200-4230, गुड़ भेली 3500-3600, कटोरा 3700-3800, लड्डू 4100-4200, बर्फी 5500, गिलास 4600-5000 रुपए क्विंटल।नारियल-नारियल 120 भरती 2450-2500, 160 भरती 2850-2900, 200 भरती 3150-3200, 250 भरती 3250-3300 रुपए प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 165-205, कट्टे में 155-160 रुपए प्रति किलो बोला गया। खोपरा बूरा 3600-5700 रुपए प्रति (15 किलो)।

शहर में रंगपंचमी के कई आयोजन होते हैं, लेकिन गोपाल मंदिर पर होने वाला रापट रोलिया विशेष और अनूठा होता

मथुरा-वृंदावन की तरह उज्जैनवासी उड़ाएंगे रंग गुलाल

संवाददाता ● उज्जैन

मथुरा-वृंदावन की तरह उज्जैन में भी होली का अलग ही आनंद मिलेगा। रापट रोलिया में देशी टमाटर, मुल्तानी मिट्टी और फूलों के रंगों का उपयोग होगा। आयोजन में सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट गोपाल मंदिर परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। रंगपंचमी के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार मालवी रापट रोलिया का आयोजन द्वारकाधीश भगवान श्रीकृष्ण के आंगन में सुबह 9 बजे शुरू होगा, जिसमें शहरवासी मथुरा-वृंदावन की तरह होली खेली जाएगी। स्वर्णिम भारत मंच के द्वारा नगर गैर का भी स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक जयंत सिंह गौर ने बताया कि स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में गोपाल मंदिर पर रंगपंचमी उत्सव के तहत मालवी रापट रोलिया का आयोजन 19 मार्च बुधवार को सुबह 9 बजे से किया जाएगा। जिसमें शहरवासी देशी तरीके से होली खेलेंगे। यूं तो शहर में रंगपंचमी के कई आयोजन होते हैं, लेकिन गोपाल मंदिर पर होने वाला रापट रोलिया विशेष और अनूठा होता है। स्वर्णिम भारत मंच के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि 40 साल पहले गोपाल मंदिर पर भव्य होली का आयोजन होता था, लेकिन धीरे-धीरे लोग पुराने शहर को छोड़कर नए इलाकों में बसने लगे और वहां आयोजन शुरू कर दिए। जिससे भगवान श्रीकृष्ण का आंगन सुनसान हो गया। स्वर्णिम भारत मंच के प्रयासों से एक दशक पूर्व रंगपंचमी को मालवी रापट रोलिया फिर से शुरू किया गया। बरसों की मेहनत अब साकार हो रही है। अब गोपाल मंदिर पर नगर गैर का समापन होने से उत्साह बढ़ रहा है।

आयोजन

रंगपंचमी के लिए देवासगेट पर हुआ कड़ाव पूजन

देवासगेट पर पशु चिकित्सालय के सामने विशाल कड़ाव का पूजन समाजसेवी अरुण वर्मा और उनकी मित्र मंडली द्वारा किया गया। रंगपंचमी पर इस शाही कड़ाव नहान में शहरवासी डुबकी लगाएंगे। यहां वाटर पार्क के साथ डांस बार में लोग झूमेंगे, साथ ही भोजन की विशेष व्यवस्था भी रहेगी। इस अवसर पर महामंडलेश्वर शैलेषानंद महाराज, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, विवेक यादव, चेतन यादव, सुनील कछवाय आदि ने कड़ाव पूजन किया। अरुण वर्मा ने बताया कि देवासगेट पर होली खेलने का अनूठा अंदाज देखने को मिलेगा। देवासगेट की सदियों पुरानी कड़ाव होली, मालवा की प्रसिद्ध होली में से एक है। विशाल कड़ाव को एक सप्ताह से सजाया जा रहा है। रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर मंगलवार (आज) इसे भरा जाएगा और आसपास फव्वारे लगाए जाएंगे। पंचमी की सुबह से शाम तक यहां अनूठी होली खेली जाएगी। शहरवासियों को आमंत्रित करने का काम पिछले दो सप्ताह से जारी है। सभी अतिथियों को एक-एक कर कड़ाव में डुबोया जाएगा और फिर बाहर निकाला जाएगा। रंगीन पानी से भरे कड़ाव में डुबोने की परंपरा लगभग 40 वर्षों से चली आ रही है। विशेष बात यह है कि आज तक कोई विवाद नहीं हुआ। आसपास लगे फव्वारों में भी युवा होली के गानों के बीच नाचते रहते हैं। इस दौरान पकोड़े और मिठाई का नाश्ता दिनभर चलेगा।

शॉट न्यूज

ग्वालियर में सिपाही पर हमला करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। ग्वालियर में खुले में शराब पीने से रोकने पर पुलिस जवान से मारपीट के मामले में पांच हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक की तलाश जारी है। दूसरी ओर, हमलावर पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने उनकी गुमटी से सिगरेट और गुटखा लेकर पैसे नहीं दिए। जब सिपाही से रुपए मांगे गए, तो झगड़ा हो गया। हालांकि, पिछले तीन-चार दिनों में पुलिसकर्मियों से मारपीट और हमले की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ग्वालियर में दो दिन के भीतर पुलिस पर हमले के दो मामले सामने आए हैं, जबकि एमपी के मऊगंज में एक एएसआई की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। ग्वालियर में होली के अगले दिन, शनिवार (को कंपू थाना पुलिस ने थाने में ही होली मिलन समारोह आयोजित किया था। वह बाइक लेकर आमखो पहुंचे, जो थाना से 100 मीटर की दूरी पर है, और वहाँ पंचर ठीक करा रहे थे।

कोर्ट में सरेंडर से पहले पकड़ाया हत्या का आरोपी

ग्वालियर। ग्वालियर में होली की रात दो लोगों के बीच झगड़े में बोलने पर एक युवक ने सुरेंद्र कुशवाह के पेट में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। घटना रात 11 बजे की थी। सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि हत्या का आरोपी अमरजीत कुशवाह कोर्ट में सरेंडर करने जा रहा है। पुलिस ने कोर्ट के आसपास घेराबंदी कर दी। जैसे ही आरोपी कोर्ट पहुंचा, पुलिस ने उसे बाहर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और उसे घटनास्थल पर पैदल ले जाकर सीन रीक्रिएशन किया। जो आरोपी पहले लोगों पर रौब झाड़ता फिरता था, वह सिर झुकाकर चलता नजर आया। ग्वालियर के जनकगंज थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मीगंज चौराहा, हरेशिव गार्डन के पास 24 वर्षीय सुरेंद्र सिंह (पुत्र मानसिंह कुशवाह) रहता था।

पति को ठगने मुंबई से बनवाए नकली जेवरात

जबलपुर। जबलपुर में एक महिला ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर ससुराल वालों को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। इतना ही नहीं उसने अपने घर में असली सोने के जेवर गायब कर उनकी जगह नकली रख दिए। ससुरालों वालों की शिकायत पर जबलपुर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर करीब 460 ग्राम सोना बरामद कर लिया है। हालांकि, नौकरी के नाम पर उसके बॉयफ्रेंड को दिए गए 38 लाख रुपए की रिकवरी अभी तक पुलिस नहीं कर पाई है। जांच के दौरान पता चला कि युवती ने उन पैसों से अपने बॉयफ्रेंड के लिए लग्जरी कार खरीदी थी। कुछ पैसे उसके मकान बनवाने में लगा दिए थे। खास बात यह है कि महिला ने इस पूरी ठगी को इसलिए अंजाम दिया कि उसे अपने बॉयफ्रेंड का अहसान चुकाना था। जबलपुर के राइट टाउन के रहने वाले आदित्य मिश्रा ने 20 फरवरी 2025 को मदन महल थाने में पत्नी पूजा दुबे और उसके बॉयफ्रेंड आकाश नेमा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी।

लोगों के लिए पीने के पानी का करें प्रबंध, पेयजल प्रबंधों को लेकर दिए निर्देश

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से लगवाएं प्याऊ : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के लिए पर्याप्त पेयजल प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सार्वजनिक प्याऊ स्थापित कर राहगीरों के लिए भी पीने के पानी का प्रबंध किया जाए। शहरों में प्रत्येक मोहल्ले में पेयजल की उपलब्धता, पानी की टंकियों की स्वच्छता और व्यवस्थित पेयजल वितरण जैसे कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हों। ग्रामों में नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीण आबादी को लाभान्वित किया जाए। हर घर में टोंटी से जल पहुंचाने के कार्य पूर्ण किए जाएं।

व्यवस्था

जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या है, वहां लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्थानीय निकाय मिलकर नागरिकों के लिए समाधान की कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री डॉ। यादव सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई एक बैठक में पेयजल प्रबंधों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संपतिया उइके, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में धरती आबा उत्कर्ष अभियान में अन्य विभागों के सहयोग से पेयजल प्रबंध के कार्य भी सम्पन्न किए जाएं। अन्य ग्रामों में एकल ग्राम नल-जल योजना और जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल घोषित ग्रामों में पेयजल की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। पेयजल प्रदाय के साथ ही स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों का भी संचालन किया जाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और कृषि विभाग के अमले का सहयोग भी पेयजल प्रदाय में प्राप्त किया जाए। पंचायतों के पदाधिकारी और शहरों में नगरीय निकायों के अमले द्वारा पेयजल प्रदाय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि पेयजल के साथ स्वच्छता के कार्यों को पूर्ण कर प्रदेश को, देश में मॉडल बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने जल गंगा जल संवर्धन अभियान में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की सक्रिय भूमिका की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनुपयोगी हैंडपम्पों को उपयोगी बनाने के लिए रिचार्ज करने की योजना का क्रियान्वयन भी प्रदेश में किया जाए।

जल जीवन मिशन के तहत किए गए लाखों कनेक्शन

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रारंभ होने से लेकर अब तक 62 लाख 71 हजार 124 कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। यह प्रदेश के कुल घरों एक करोड़ 11 लाख 80 हजार 901 का 63।81 प्रतिशत है। दिनांक 16 मार्च 2025 की स्थिति में प्रदेश के 76 लाख 24 हजार 275 घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, यह उपलब्धि 68।19 प्रतिशत है। प्रदेश में 147 समूह नल जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से 23 हजार 164 ग्राम और 27 हजार 990 ग्राम, एकल ग्राम नल जल योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपम्पों का संधारण लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और नल जल योजनाओं का संचालन संधारण संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश में 5 लाख 62 हजार 776 हैंडपम्प पेयजल प्रदाय में सहयोगी हैं।

आरजीपीवी घोटाले पर ईडी का बड़ा एक्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के पूर्व कुलपति समेत अन्य लोगों की 10 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति अटैच कर दी है। ईडी ने सोमवार शाम को इस कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए बयान जारी किया है। यह कार्रवाई आरजीपीवी घोटाले के आरोपियों के खिलाफ की गई है। ईडी ने बताया कि 'राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत और तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा, तत्कालीन बैंक अधिकारी कुमार मयंक और रामकुमार रघुवंशी समेत आरजीपीवी घोटाले में शामिल 2002 के प्रावधानों के तहत आरजीपीवी विश्वविद्यालय में गबन के मामले में अटैच किया गया है।'

रोड किनारे खड़े 5 को बोलेरो जीप ने कुचला

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के मझौली थाना अंतर्गत मड़वास चौकी के ग्राम महखोर में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां रोड के किनारे खड़े 5 मजदूरों को बोलेरो ने कुचल दिया है। जिसमें एक महिला की मौत हो गई है। जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम कमचड के निवासी यादव परिवार आज ग्राम महखोर में खेत में गेहूं की कटाई करने गए हुए थे। जहां रोड किनारे बबूल के पेड़ के पास खड़े थे। तभी टिकरी की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ठोकर मार दी। जिसमें पांचों लोग बुरी तरह से घायल हो गए। जिसकी जानकारी टिकरी प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह बघेल और मड़वास चौकी प्रभारी केदार परौहा को दी गई।

भोपाल में डोर कैमरे वाली पहली सरकारी बिल्डिंग

टीटी नगर में 13 मंजिला बिल्डिंग में 364 फ्लैट्स, CM आज करेंगे लोकार्पण

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में डोर कैमरे वाली पहली सरकारी बिल्डिंग का लोकार्पण मंगलवार को सीएम डॉ. मोहन यादव करेंगे। बिल्डिंग स्मार्ट सिटी ने 116.26 करोड़ रुपए की लागत से बनाई है। जो टीटी नगर में होटल पलाश के ठीक सामने हैं।

सीएम डॉ. यादव शाम को लोकार्पण करेंगे। इस दौरान मंत्री, सांसद और विधायक भी मौजूद रहेंगे। भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड ने 364 जी टाइप आवास का निर्माण किया है। इन आवासों का निर्माण 3 टावरों में किया गया है। प्रत्येक टावर 13 मंजिल के हैं। जिन आवासों का लोकार्पण होगा। वे प्रथम चरण में बनाए गए हैं।

लोकार्पण

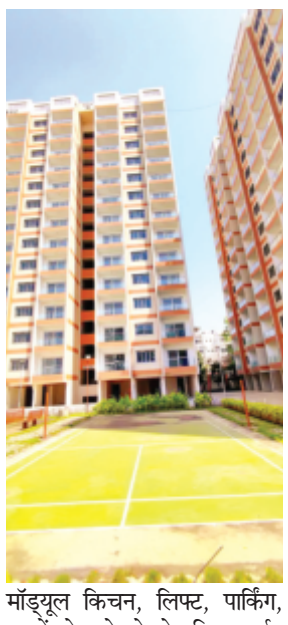

700 फ्लैट्स बनेंगे

कैम्पस में कुल 700 सरकारी फ्लैट्स का निर्माण होगा। भोपाल स्मार्ट सिटी नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत संचालित हो रही है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी भी मौजूद रहेंगे।

बिल्डिंग को बनने में 4 साल लगे

साल 2020 में बिल्डिंग का काम शुरू हुआ था। इसे बनने में 4 साल लगे हैं। प्रत्येक फ्लैट्स 800 स्क्वयर फीट के हैं। इनमें कैमरा, मॉड्यूल किचन, लिफ्ट, पार्किंग, बच्चों के खेलने के लिए पार्क, पॉथ-वे, झूले आदि हैं। हर फ्लैट्स में डोर कैमरे लगे हैं। इस तरह की सुविधा वाली यह पहली सरकारी बिल्डिंग हैं।

कारों की पार्किंग के लिए तीन मंजिल

बिल्डिंग में दो ग्राउंड फ्लोर हैं। इसके बाद फर्स्ट फ्लोर। इन तीनों फ्लोर में कारों के लिए पार्किंग बनाई गई है। एक बिल्डिंग में चार से पांच लिफ्ट है। ताकि, आने-जाने में रहवासियों को कोई परेशानी न हो।

पूरे शहर का नजारा

पहली इतनी ऊंची सरकारी आवास वाली बिल्डिंग के ऊपर से पूरे शहर का नजारा दिखाई देगा। ठीक सामने न्यू मार्केट है। वहीं, पीछे की साइड में स्मार्ट सड़क, रोशनपुरा, पॉलिटेक्निक चौराहा, नेहरू नगर, जवाहर चौक, अटल पथ भी है।

प्राकृतिक आपदा की सहायता राशि में घपला

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई के लिए दी जाने वाली सहायता राशि में बड़ी अनियमितता का खुलासा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने किया है। कैग की जांच में पाया गया कि 13 जिलों में यह राशि पात्र लोगों को देने के बजाय सरकारी कर्मचारियों, उनके रिश्तेदारों और अन्य अपात्र व्यक्तियों के खातों में ट्रांसफर की गई। कैग ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने साल 2018 से 2022 के बीच प्राकृतिक आपदाओं जैसे अत्यधिक बारिश, ओलावृष्टि, असमय बारिश, पाला, शीतलहर, कीट प्रकोप, बाढ़, तूफान, सूखा और अग्नि दुर्घटनाओं से प्रभावित लोगों को राहत के लिए 10,060 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित की। इस राशि का वितरण राज्य के विभिन्न जिलों में किया गया, लेकिन 13 जिलों में इसकी जांच में चौंकाने वाली गड़बड़ियां सामने आईं।

कैग की रिपोर्ट के अनुसार, इन 13 जिलों में राहत राशि के तहत 23 करोड़ 81 लाख रुपए का भुगतान अपात्र व्यक्तियों को किया गया। जांच में पाया गया कि सरकारी कर्मचारियों, उनके रिश्तेदारों और अन्य अनधिकृत लोगों के खातों में यह राशि जाली स्वीकृति आदेशों के आधार पर ट्रांसफर की गई। इससे पात्र प्रभावितों को सहायता नहीं मिल सकी और राहत राशि का दुरुपयोग हुआ। कैग की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद सरकार से जुड़े सूत्रों ने कहा कि यह रिपोर्ट विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) के समक्ष पेश की जाएगी। समिति इसकी विस्तृत जांच करेगी और यह स्पष्ट करेगी कि कैग द्वारा उल्लिखित अनियमितताओं की सच्चाई क्या है।

भोपाल में 11 रूट पर चल रहीं 118 बसें, 1 लाख यात्री परेशान

9 महीनों में सड़कों से 250 सिटी बसें गायब

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल की सड़कों से 9 महीने के अंदर ढाई सौ सिटी बसें गायब होने का मुद्दा विधानसभा में उठा है। 25 रूट पर चलने वाली 368 बसों में से अभी सिर्फ 11 रूट पर 118 बसें ही दौड़ रही हैं। ऐसे में महिला, स्टूडेंट्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। हर रोज करीब 1 लाख लोग परेशान हो रहे हैं। दरअसल टिकट कलेक्शन पर विवाद, पेनल्टी और हाईकोर्ट में याचिका दायर होने से ऑपरेटर्स ने इन बसों का संचालन बंद कर दिया। इस पर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न लगाया था। इसके बाद सोमवार को जवाब मिला। अधिकारियों और ऑपरेटरों की साठगांठ की बात पर पर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जांच कराए जाने की बात कही है।

परेशानी

बीसीएलएल के जरिए 4 एजेंसी कर रही थी संचालन

भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रुप में सिटी बसों का संचालन BCLL (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) के जरिए 4 एजेंसी कर रही थी। इनमें मां एसोसिएट्स, एपी मोटर्स, श्री दुर्गांबा और आई-मोबिलिटी एजेंसी शामिल हैं। ये एजेंसियां 25 रुट पर बसें चला रही थी। इनमें से सबसे पहले पिछले साल 4 जुलाई को मां एसोसिएट्स ने 149 बसों का संचालन बंद किया था। इसकी वजह इन बसों में टिकिट कलेक्शन करने वाली एजेंसी 'चलो एप' की ओर से प्रति किमी दी जाने वाली राशि घटाने की मांग है, लेकिन बीते नौ महीने से बीसीएलएल और निगम के जिम्मेदार इस समस्या का समाधान नहीं निकाल पाए। ऐसे में इन बसों में रोजाना सफर करने वाले यात्री परेशान हैं। मामला तब और उलझ गया, जब बीसीएलएल की ओर से नई टिकिट कलेक्शन एजेंसी हायर करने के लिए टेंडर जारी कर दिया। इस मुद्दे पर मां एसोसिएट्स की तरफ से भी हाईकोर्ट में याचिका लगा दी गई। नतीजतन बसों का संचालन पूरी तरह से बंद हो गया।

सिकंदर में सलमान खान की फीस जानकर उड़ जाएंगे होश

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'सिकंदर' इस साल ईद पर रिलीज होने के लिए तैयार है। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक इसकी सटीक रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है, लेकिन हाल ही में रिलीज हुए इसके गाने और टीजर इंटरनेट पर धूम मचा रहे हैं। ईद के त्योहारी सीजन में रिलीज होने वाली इस फिल्म से फैंस को सलमान खान से कुछ बड़ा और शानदार देखने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि यह फिल्म इस साल कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ सकती है, लेकिन इसका असली नतीजा रिलीज के बाद ही पता चलेगा। फिल्मीबीट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने 'सिकंदर' के लिए 120 करोड़ रुपये लिए हैं। इसमें उनकी एक्टिंग की सैलरी के साथ-साथ संभावित प्रॉफिट शेयरिंग का हिस्सा भी शामिल है। वहीं, फिल्म की लीड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को इस फिल्म के लिए 5 करोड़ रुपये मिले हैं। रश्मिका मंदाना हाल फिलहाल में छावा और पुष्पा जैसी ब्लॉकबास्टर मूवी का हिस्सा रह चुकी हैं। फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली काजल अग्रवाल को 3 करोड़ रुपये की फीस दी गई है। इंडस्ट्री के स्थापित अभिनेता शरमन जोशी ने अपनी भूमिका के लिए 75 लाख रुपये लिए, जबकि प्रतीक बब्बर को 60 लाख रुपये मिले। साउथ के मशहूर अभिनेता सत्यराज, जिन्हें 'बाहुबली' में कटप्पा के रोल के लिए जाना जाता है। उनको अपनी भूमिका के लिए 50 लाख रुपये चार्ज किए। ईद पर रिलीज होने वाली इस फिल्म से फैंस को जबरदस्त एक्शन, ड्रामा और सलमान की दमदार परफॉर्मेंस की उम्मीद है। 200 करोड़ के बजट और स्टार-स्टडेड कास्ट के साथ 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने को तैयार है। अब देखना यह है कि क्या यह फिल्म फैंस की उम्मीदों पर खरी उतरती है या नहीं।

अरमान की लाइफ में मिस्ट्री गर्ल की हुई एंट्री? अभिरा होगी बर्बाद

समृद्धि शुक्ला और रोहित पुरोहित स्टारर 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इन दिनों चर्चा में है। शो के लेटेस्ट एपिसोड्स में कई दिलचस्प मोड़ देखने को मिल रहे हैं। हमने हाल ही में देखा कि अरमान को आखिरकार सच पता चल गया कि उसकी मां को उससे दूर रखा गया था क्योंकि दादीसा और विद्या चाहती थीं कि माधव घर में रहे। उन्होंने उसका इस्तेमाल सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए किया। उसने दादीसा और विद्या पर अपनी मां की मौत के बारे में झूठ बोलने के लिए घर छोड़ दिया। उसे यह जानकर दुख हुआ कि वह उनके लिए सिर्फ एक कठपुतली था। उसने उनसे सारे रिश्ते तोड़कर अलग रहने का फैसला किया। उसने अपने नाम से पोद्दार हटा दिया और यहां तक कि वकालत भी छोड़ दी। उसने अपनी क्रेडिट कार्ड, कार, लॉ लाइसेंस और यहां तक कि अपने जूते भी दे दिए जो पोद्दार परिवार के पैसे से लिए गए थे। अरमान के पास कुछ भी नहीं बचा और अब वह अभिरा और शिवानी के साथ छोटे से किराए के घर में रहता है। हालांकि, दादीसा और संजय उनके लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं, लेकिन अभिरा और अरमान को काम मिला जाता है। वहीं आने वाले एपिसोड में देखने को मिलेगा की अरमान अपनी मां विद्या से मिलने जाएगा। अरमान को भी गैराज में नौकरी मिल गई, लेकिन दादीसा को यह जानकर झटका लगेगा कि विद्या को अपनी गलती का एहसास हो गया और वह अरमान से बात करना चाहती है। इसलिए उसने अभिरा से मदद मांगी है। राजन शाही के शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के आने वाले एपिसोड में हम अभिरा और अरमान की जिंदगी को धीरे-धीरे आगे बढ़ते देखेंगे। लेकिन, दादीसा अभिरा को याद दिलाएगी कि वह अरमान को बच्चा नहीं दे सकती। हम देखेंगे कि अभिरा आईवीएफ का विकल्प चुनने का फैसला करेगी, लेकिन उसे बच्चा नहीं होता है। डॉक्टर उसे बताएंगे कि अब उसके पास एक ही विकल्प है और वह सरोगेसी का है। अरमान और अभिरा चौंक जाएंगे। अरमान-अभिरा का साथ देने का फैसला करेगा और वे सरोगेसी के लिए राजी हो जाएंगे। हालांकि, इसके साथ ही हम देखेंगे कि उनकी जिंदगी में एक नई महिला एंट्री करेगी। क्या यह नई एंट्री अभिरा-अरमान की शादी में परेशानी बनेगी?

अजय की फिल्म में 2460 करोड़ी फिल्म की एक्ट्रेस ने मारी एंट्री

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और संजय दत्त को फिल्में करते हुए काफी समय हो चुका है दोनों अभी भी फैंस का फुल एंटरटेनमेंट कर रहे हैं अब फिल्ममेकर जगन शक्ति की फिल्म में अजय देवगन और संजय दत्त का आमना-सामना होगा ये एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी जिसमें अजय देवगन लीड एक्टर के रोल में नजर आएंगे वहीं बात अगर संजय दत्त की करें तो उन्हें इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस के लिए कास्ट किया गया है अब फिल्म में एक और बड़ी एंट्री हो गई है रिपोर्ट्स की मानें तो अब इस फिल्म में 2460 करोड़ का कलेक्शन करने वाली बाहुबली की एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया शिरकत कर रही हैं वे फिल्म में लीड एक्ट्रेस के रोल में नजर आएंगी।

फिल्म का टाइटल फिलहाल के लिए रेंजर रखा गया है इस जंगल ड्रामा की शूटिंग अप्रैल 2025 से शुरू हो सकती है ऐसा माना जा रहा है कि बाहुबली एक्ट्रेस को इस फिल्म में जो रोल मिला है उसे बड़े कैन्वस पर गढ़ा गया है और इसके लिए तमन्ना भाटिया को काफी तैयारी करनी होगी रिपोर्ट्स की मानें तो तमन्ना ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है वे फिल्म के डायरेक्टर जगन शक्ति के साथ स्क्रिप्ट पर डिस्कशन भी शुरू कर चुकी हैं एक्ट्रेस अपनी इस जर्नी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म की बात करें तो ये एक बड़े बजट की फिल्म होगी इसकी शूटिंग सालभर चल सकती है फिल्म अलग-अलग शेड्यूल्स पर अलग-अलग लोकेशन पर शूट की जाएगी फिल्म को लेकर कास्ट सुपर एक्साइटेड है बाहुबली जैसी हिस्ट्री ड्रामा फिल्म में काम करने के बाद तमन्ना अब इस फिल्म के जरिए खुद के एक्टिंग टैलेंट को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं रिपोर्ट्स की मानें तो ये अपने आप में एक यूनिक फिल्म होगी और विजुअली भी बहुत रिच होगी फिल्म की कास्ट को लेकर आगे और भी खुलासे हो सकते हैं। अजय देवगन की बात करें तो एक्टर इसके अलावा दे दे प्यार दे 2 का भी हिस्सा हैं. वहीं उनकी शैतान 2 को लेकर भी चर्चा तेज है।

कंगना रनोट के लिए ऑस्कर मूर्खों का अवॉर्ड

कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी, हालांकि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आने के बाद इसे जमकर सराहना मिल रही है। कई लोगों का कहना है कि फिल्म इतनी बेहतरीन है कि इसे ऑस्कर भेजा जाना चाहिए। इसके जवाब में कंगना ने अमेरिका पर भड़कते हुए ऑस्कर को मूर्खों का अवॉर्ड कह दिया है। कंगना रनोट ने फिल्म इमरजेंसी को मिल रहीं तारीफों के स्क्रीनशॉट अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किए हैं। एक यूजर ने लिखा था, इमरजेंसी को भारत की तरफ से ऑस्कर जाना चाहिए। क्या फिल्म है टीम कंगना। इसके जवाब में कंगना ने लिखा है, लेकिन अमेरिका अपना असल चेहरा नहीं देखना चाहेगा कि कैसे वो विकासशील देशों को धमकाता है, दबाता है और उन पर दबाव डालता है। ये सब इमरजेंसी से सामने आ चुका है। वो मूर्खों वाला ऑस्कर अपने पास रखें। हमारे पास नेशनल अवॉर्ड है। फिल्ममेकर संजय गुप्ता ने भी इमरजेंसी की तारीफ की। उन्होंने लिखा, आज मैंने कंगना रनोट की इमरजेंसी देखी। सच कहूं तो मेरा ऐसा करने का कोई प्लान नहीं था, क्योंकि मैंने पहले से ही इसका अनुमान लगा लिया था, मुझे बहुत खुशी है कि मैं गलत था। एक्टिंग और डायरेक्शन में कंगना रनोट की क्या बेहतरीन फिल्म है। वर्ल्ड क्लास। इसके जवाब में कंगना ने लिखा है, फिल्म इंडस्ट्री को नफरत से आगे बढ़कर अनुमान लगाए बिना अच्छे काम को सराहना चाहिए। ये बैरियर तोड़ने के लिए शुक्रिया संजय जी। फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के लिए मेरा मैसेज है कि मेरे बारे में कोई धारणा मत बनाइए। मुझे समझने की कोशिश भी मत करना, मैं समझ से बाहर हूं। बताते चलें कि लंबे विवाद के बाद सेंसर बोर्ड से पास होकर फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज हुई थी।

बचपन की मस्ती से परंपराओं तक, जाने सिद्धि शर्मा-ईशा पाठक की दिल छू लेने वाली होली की कहानियाँ

होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सकारात्मकता और अच्छाई की बुराई पर जीत का उत्सव भी है। इस त्योहार के चमकते रंग, मस्तीभरे पल और सभी परंपराएँ इसे खुशी और एकता का प्रतीक बनाते हैं। सन नियो की दो बेहतरीन अभिनेत्रियां, सिद्धि शर्मा (इश्क जबरिया में गुल्की) और ईशा पाठक (रिश्तों से बंधी गौरी में गौरी) ने अपनी सबसे प्यारी होली की यादें साझा करते हुए कई रोचक बातें बताई।

इश्क़ जबरिया शो में गुल्की का किरदार निभा रही अभिनेत्री सिद्धि शर्मा बताती हैं,'होली मेरे लिए हमेशा खास रही है, क्योंकि यह सिर्फ रंगों का नहीं, बल्कि आस्था और सकारात्मकता का भी त्योहार है। होलिका दहन हमें यह सिखाता है कि चाहे नकारात्मकता कितनी भी शक्तिशाली क्यों न लगे, सच्चाई और अच्छाई की हमेशा जीत होती है। हम होलिका दहन में नारियल अर्पित करते थे और इसे पूरी तरह जलने का इंतजार करते थे। बाद में उस नारियल को खाने का अलग ही आनंद होता था! दोस्तों के साथ रंग खेलना सबसे मजेदार पल होता था। मैं हमेशा अपनी बहन से पहले उठने की कोशिश करती थी और जल्दी नाश्ता कर के भागकर खेलने चली जाती थी। हमारे बीच यह एक मजेदार मुकाबला होता था कि कौन पहले उठकर होली खेलना शुरू करेगा।' रिश्तों से बंधी गौरी में गौरी शो की अभिनेत्री ईशा पाठक ने अपनी यादें साझा करते हुए कहा, 'बचपन से ही होली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार रहा है! मैं इतनी उत्साहित रहती थी कि हम त्योहार से 3-4 दिन पहले ही रंग और पानी के गुब्बारों से खेलना शुरू कर देते थे। दोस्तों के साथ भाग-दौड़ करना, एक-दूसरे को गुलाल लगाना और पानी के गुब्बारे फेंकना। ये सभी पल एक अनमोल खुशी देते थे! पूरे माहौल में एक अलग ही ऊर्जा और उमंग होती थी। आज भी होली की ये खूबसूरत यादें ताजा हो जाती हैं और मैं इसे उसी उत्साह और प्यार के साथ मनाती हूँ!'

इश्क़ जबरिया की कहानी गुल्की (सिद्धि शर्मा द्वारा अभिनीत किरदार) के अपने सपनों को पूरा करने के संघर्ष की है। 'रिश्तों से बंधी गौरी गौरी (ईशा पाठक द्वारा अभिनीत किरदार) के विश्वास, सहनशीलता और अटूट प्रेम की यात्रा को दर्शाती है, जिसमें वह माता पार्वती की भक्ति से शक्ति पाती है और जीवन की कठिनाइयों का सामना करती है। 'रिश्तों से बंधी गौरी देखिए हर रोज़ रात 8:30 बजे और इश्क़ जबरिया रात 10 बजे, सिर्फ सन नियो पर।

सवि ठाकुर ने किया खुलासा, बताया क्यों चुना 'रिश्तों से बंधी गौरी' में रुद्र का किरदार?

अभिनेता सवि ठाकुर सन नियो के नए शो 'रिश्तों से बंधी गौरी' में रुद्र की भूमिका में दर्शकों का दिल जीतने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इस किरदार की खासियत, इसे चुनने की वजह और रुद्र की दुनिया को परिभाषित करने वाले खास रिश्तों पर अपने विचार साझा किए। रुद्र के किरदार के बारे में बात करते हुए सवि ठाकुर ने कहा, 'रुद्र उन किरदारों में से एक है, जिसके बारे में जानते ही मैं उससे जुड़ाव महसूस करने लगा। वह आकर्षक, महत्वाकांक्षी और आत्मनिर्भर व्यक्ति है जो अपनी शर्तों पर जीना चाहता है और मैं इस भावना से खुद को जोड़ पाता हूँ। साथ ही, वह अपने परिवार के बहुत करीब है, जिससे उसकी स्वतंत्रता की चाह और जिम्मेदारियों के बीच का संघर्ष देखने लायक होगा। उसकी यात्रा कई उतार चढ़ाव से भरी हुई है और मैं इन सबको लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए उत्सुक हूँ।' इसके अलावा, उन्होंने इस किरदार को चुनने के पीछे की वजह बताते हुए कहा, 'रुद्र की कहानी में भावनाओं का उतार-चढ़ाव ही वह पहलू था जिसने मुझे इस किरदार की ओर आकर्षित किया। उसके फैसले, उसकी उलझनें, यह सब उसके किरदार की सभी परतों को खोलता है। रुद्र का किरदार निभाना केवल अभिनय नहीं है, बल्कि उसके एहसासों, संघर्षों और रिश्तों को इस तरह जीवंत करना है कि वह वास्तविक लगे। कई मायनों में, उसकी यात्रा मेरी अपनी यात्रा की तरह महसूस होती है, जो इस भूमिका को मेरे लिए और भी खास बना देती है।'

'रिश्तों से बंधी गौरी' की कहानी एक नेकदिल और साहसी लड़की गौरी की है। उसकी भक्ति, आस्था और धैर्य ने हमेशा उसे सही राह दिखाई है। लेकिन जब किस्मत उसे एक अनचाहे विवाह में ढकेल देती है, तो वह चुनौतियों के जाल में फँस जाती है। बुंदेला परिवार की बहू बनने के बाद, वह बदलते रिश्तों और परिवार की जटिलताओं को अपनी बुद्धिमानी से सुलझाने की कोशिश करती है। लेकिन क्या वह अपनी तकदीर को खुद गढ़ पाएगी? एक शानदार कलाकारों की टीम के साथ, 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो दर्शकों का दिल छूने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। इस शो में ईशा पाठक, गौरी की भूमिका में, सवि ठाकुर, रुद्र प्रताप सिंह के रूप में और स्वाति शाह, जगदंबा देवी के रूप में नजर आ रहे हैं। देखिए 'रिश्तों से बंधी गौरी' हर सोमवार से रविवार, रात 8:30 बजे सिर्फ सन नियो पर।

20 की हुईं रवीना की लाडली, फ्लॉप डेब्यू के बाद भी कैसे बनीं सबसे पॉपुलर स्टारकिड?

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी 20वां बर्थ डे सेलिब्रेट कर रही हैं। महज 19 साल की उम्र में राशा ने फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया। राशा की पहली फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल ना मचा पाई हो, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी पॉपुलैरिटी देखते ही बनती है। 16 मार्च 2005 को मुंबई में जन्मी राशा थडानी, 90s की सुपरस्टार रवीना टंडन और बिजनेसमैन अनिल थडानी की बेटी हैं। उन्होंने मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की हैं और बचपन से ही उन्हें डांस और एक्टिंग का शौक रहा है। हालांकि राशा की 'आजाद' फिल्म ने कोई खास कमाल नहीं दिखाया, लेकिन फिल्म का गाना 'ऊई अम्मा' राशा थडानी के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इस गाने में उनका डांसिंग अंदाज लोगों को इतना पसंद आया कि सोशल मीडिया पर राशा ट्रेंड करने लगीं। उनके फैंस ने तो उन्हें 'अब तक की सबसे बेस्ट स्टारकिड' तक कह दिया। 17 जनवरी 2024 को रिलीज हुई फिल्म आजाद एक पीरियड ड्रामा थी, जिसमें राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने डेब्यू किया। फिल्म की कहानी आजादी से पहले के दौर की थी, जिसमें गोविंद नाम के गांव के एक वीर लड़के की कहानी दिखाई गई थी। हालांकि, अजय देवगन का कैमियो होने के बावजूद फिल्म को दर्शकों से उम्मीद के मुताबिक प्यार नहीं मिला। कमजोर स्क्रिप्ट और डायरेक्शन की वजह से फिल्म सिनेमाघरों में ज्यादा दिन टिक नहीं पाई। लेकिन इस फिल्म से राशा को जो पहचान मिली, उसने उन्हें इंडस्ट्री में सबसे चर्चित स्टारकिड्स की लिस्ट में शामिल कर दिया। हालांकि उनकी पहली फिल्म फ्लॉप रही, लेकिन राशा थडानी को बॉलीवुड से लगातार अच्छे प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और डांसिंग टैलेंट को देखकर यह साफ हो गया है कि वह आने वाले समय में एक बड़ी स्टार बन सकती हैं। राशा की तुलना पहले से ही सारा अली खान, जान्हवी कपूर और शनाया कपूर जैसी स्टारकिड्स से की जा रही है। उनकी पॉपुलैरिटी और चार्म को देखकर लगता है कि आने वाले सालों में वह बॉलीवुड में एक बड़ी पहचान बना सकती हैं। सोशल मीडिया पर उनके दोस्त उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दे रहे हैं। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं।

न्यूज कॉलम

बाइक को मारी जोरदार टक्कर, हादसे में नाबलिग समेत 2 की मौत

सरगुजा। जिले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है. नेशनल हाइवे 130 पर हाइवा ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी. हाइवा की चपेट में आने से नाबालिग समेत दो नवयुवकों की मौके पर ही मौत हो गई. घटना उदयपुर थाना क्षेत्र में हुई है.बाइक पर एक 25 वर्षीय युवक और 15 वर्षीय नाबालिग सवार होकर जा रहे थे. इसी बीच ठल्ल 130 ग्राम दावा के ओवर ब्रिज पर तेज रफ्तार में आ रही हाइवा ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी. दर्दनाक दुर्घटना में मौके पर ही दोनों नवयुवकों की मौत हो गई. घटना के बाद हाइवा चालक मौके से फरार हो गया है. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस हाइवा चालक की तलाश में जुट गई है।

2 इनामी समेत 3 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों को लगातार कामयाबी मिल रही है. इसी कड़ी में आज सुकमा जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सक्रिय दो इनामी सहित तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है. आत्मसमर्पण करने वाले दो नक्सलियों पर 2-2 लाख, कुल 4 लाख रुपये का इनाम घोषित था.इन सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ शासन की ह्लछत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीतिह्व और ह्लनियद नेल्ला नारह्व योजना से प्रेरित होकर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया. नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने में डीआईजी ऑफिस सुकमा, आरएफटी (रेपिड फोर्स टीम), और 151वीं वाहिनी सीआरपीएफ की बड़ी भूमिका रही.

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता ने लगाई फांसी

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता ने बालिका गृह के बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जशपुर के आस्ता थाना क्षेत्र के दुष्कर्म प्रकरण में अनाचार पीड़िता को बयान एवं एमएलसी के लिए जशपुर स्थित खुला आश्रय बालिका गृह में रखा गया था, जहां प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है.यह घटना मंगलवार सुबह की बताई जा रही है. बालिका गृह के बाथरुम में घटना हुई है. मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दे दी गई है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. शव पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है.

विधानसभा कार्यवाही देखकर हुए उत्साहित

सुकमा के ग्रामीणों ने पहली बार राजधानी का किया भ्रमण

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के दूरस्थ गांवों से आए युवाओं के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के तहत नियद नेल्लानार योजना में शामिल सिलगेर, पूवर्ती, एलमागुंडा, लखापाल, शालातोंग, साकलेर, छोटेकेडवाल, बगडेगुड़ा और बेदरे जैसे गांवों के 119 युवा पहली बार अपने गांव से बाहर निकले और राजधानी रायपुर पहुंचे।इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान युवाओं ने रेलवे स्टेशन, छत्तीसगढ़ विधानसभा और वनवासी कल्याण आश्रम का दौरा किया।

राजधानी आगमन के दौरान युवाओं ने छत्तीसगढ़ विधानसभा का भ्रमण किया और दर्शक दीर्घा में बैठकर सदन की कार्यवाही देखी, जिससे वे बेहद उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा से भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने युवाओं से चर्चा करते हुए कहा कि युवा चाहें तो अपने गांव में अमन-चैन और विकास की रोशनी फैला सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने युवाओं से उनके गांव की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके गांवों में पक्की सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल, राशन, चिकित्सा और आवास जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की और कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में हम सभी मिलकर छत्तीसगढ़ को विकसित और समृद्ध राज्य बनाएंगे।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नियद नेल्लानार योजना के तहत गांवों के आर्थिक विकास के लिए विशेष रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन गांवों के निकट नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं, जिससे माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके और शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंचे।

उल्लेखनीय है कि आजादी के 75 साल बाद पहली बार अपने गांव से बाहर निकल कर राजधानी पहुंचे अनेक ग्रामीणों ने प्रदेश की प्रगति को नजदीक से देखा और भविष्य में अपने गांवों के विकास में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में दूरस्थ क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचे और वहां के लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ें। राज्य सरकार प्रदेश के माओवाद प्रभावित इलाकों में तेजी से बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ अब इन दूरस्थ गांवों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना और नियद नेल्ला नार योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ग्रामीण युवाओं को प्रदेश की विकास प्रक्रिया से जोड़ने में मदद मिल रही है। यह पहल न केवल इन गांवों के युवाओं के लिए एक नई आशा की किरण लेकर आई है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के उज्जवल भविष्य की भी झलक देती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री को सौंपा बस्तर के विकास का रोडमैप

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य के विकास संबंधी विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बस्तर विकास के मास्टर प्लान का खाका प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। इस बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर विकास का मास्टर प्लान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं, उद्योगों और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की रूपरेखा शामिल थी। प्रधानमंत्री ने इस योजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सुरक्षा बलों की संगठित रणनीति एवं जनभागीदारी के चलते नक्सल प्रभावित इलाकों में तेजी से बदलाव आ रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस और केंद्रीय बलों के संयुक्त प्रयासों से कई नक्सल गढ़ों में विकास की किरण पहुंची है, जिससे जनता का विश्वास सरकार की योजनाओं में और मजबूत हुआ है। सरकार का अब पूरा ध्यान बस्तर को नए औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने पर है, जिससे युवाओं को रोजगार और आदिवासी समुदायों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके।

प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ दौरा, बड़े विकास कार्यों का होगा शुभारंभ

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 30 मार्च को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे की रूपरेखा साझा की। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री राज्य में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की और प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य की नई औद्योगिक नीति और निवेशकों की बढ़ती रुचि पर भी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेश को आसान बनाने के लिए सरकार ने सिंगल विंडो क्लीयरेंस, टैक्स छूट और अनुकूल नीतियों को लागू किया है, जिससे बड़ी कंपनियां छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मुलाकात में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। उन्होंने बताया कि बस्तर के महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लघु वनोपज, जैविक कृषि, हथकरघा, बांस उद्योग और हस्तशिल्प को प्रोत्साहित कर महिलाओं को न केवल आजीविका के साधन मिल रहे हैं, बल्कि वे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही हैं। इसके अलावा, स्टार्टअप्स और छोटे उद्योगों के माध्यम से बस्तर की महिलाओं को उत्पादन और विपणन से जोड़ने की पहल की जा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर राज्य की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रंगपंचमी की दी शुभकामनाएं

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रंग, उमंग और आनंद के पर्व रंगपंचमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रंगपंचमी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। होली के पांच दिन बाद मनाया जाने वाला यह उत्सव रंगों की खूबसूरती और उल्लास का संदेश देता है।

इस दिन लोग रंग, गुलाल और अबीर से एक-दूसरे को सराबोर कर खुशियों और मेल-मिलाप का पर्व मनाते हैं। उन्होंने कहा कि रंगपंचमी हमें जीवन में रंगों के महत्व को समझने और सकारात्मकता को अपनाने की सीख देती है। यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में ही नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियों के रंग भरने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से इस पर्व को आपसी प्रेम, सौहार्द और उल्लास के साथ मनाने की अपील की और कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, खुशहाली और उत्साह लेकर आए।

पहाड़ी कोरवा महिलाओं को सरकार की योजनाओं से मिला आत्मनिर्भरता का नया आयाम

छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से विशेष पिछड़ी जनजाति की पहाड़ी कोरवा महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रही हैं। कभी घर से बाहर न निकलने वाली ये महिलाएं आज स्वयं सहायता समूह से जुड़कर सैंटरिंग प्लेट के व्यवसाय से अच्छी आमदनी कमा रही हैं। अंबिकापुर विकासखंड के मलंगवा खुर्द गांव की महिलाएं पहले जागरूकता के अभाव में केवल घरेलू कामों तक ही सीमित थीं। लेकिन साल 2014 में बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्होंने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया। लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती संगीता पहाड़ी कोरवा बताती हैं कि उन्होंने पहले बकरी और मुर्गी पालन शुरू किया, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। धीरे-धीरे बचत की आदत से उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की सचिव श्रीमती सुशीला पहाड़ी कोरवा ने बताया कि सितंबर 2024 में समूह ने 90 हजार रुपये का लोन लेकर सैंटरिंग प्लेट का व्यवसाय शुरू किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांव में बनाए जा रहे पक्के मकानों के लिए एडवांस बुकिंग मिलने से उन्हें अच्छा मुनाफा हो रहा है। पिछले छह-सात महीनों में समूह की महिलाओं ने 30 से 40 हजार रुपये की कमाई की है, जिससे लोन भी पट रहा है और रोजगार भी मिल गया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की ओर बढ़ रही हैं। संगीता और सुशीला बतार्ती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने उनके खाते में राशि आ जाती है, जिससे छोटी-मोटी जरूरतें पूरी हो जाती हैं। साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिलने से रहने की समस्या भी दूर हो गई है। पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए संघर्ष करने वाली ये महिलाएं आज आत्मनिर्भर और सशक्त हैं। सरकार की योजनाओं से इन्हें रोटी, कपड़ा और मकान की सुविधाएं मिली हैं, जिससे इनका जीवन स्तर सुधर रहा है। पहाड़ी कोरवा महिलाओं ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री का आभार जताया है। अब पहाड़ी कोरवा समूह की महिलाएं से अन्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

सड़क किनारे मिली महिला की लाश, हत्या की आशंका

रायपुर। रायपुर के धरसींवा थाना क्षेत्र में एक अज्ञात महिला की लाश मिली है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है.जानकारी के अनुसार, महिला का शव धरसींवा के देवरी गांव के पास सड़क किनारे पड़ा मिला. स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी. जिसके बाद धरसींवा थाना पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की शुरूआती जांच में महिला के शरीर पर रंग के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, अभी तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में हर एंगल से जांच कर रही है.

नगर पालिका तखतपुर में गौरी देवांगन बनीं उपाध्यक्ष, कांग्रेसियों में खुशी की लहर

संवाददाता ● तखतपुर

नगर पालिका तखतपुर उपाध्यक्ष का चुनाव आज हुआ, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी गौरी देवांगन की जीत हुई. नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रत्याशी गौरी देवांगन को 10 मत मिले. वहीं भाजपा प्रत्याशी अंकित अग्रवाल को 6 मत मिले. चार मत से गौरी देवांगन ने जीत हासिल की. विजय केशवानी कांग्रेसी जिलाध्यक्ष ग्रामीण बिलासपुर ने कहा, नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पद पर कांग्रेस का कब्जा हो गया है. इसके चलते कांग्रेस खेमे में खुशी का माहौल है. कांग्रेसी कार्यकताओं ने पटाखे फोड़कर जमकर नारेबाजी करते हुए खुशी मनाई. बता दें कि नगर पालिका तखतपुर में कांग्रेस की पूजा मक्कड़ अध्यक्ष बनी हैं. यहां कांग्रेस के 9 पार्षद तो भाजपा के 6 पार्षद विजयी हुए हैं.

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिले मुख्यमंत्री साय, शहरी विकास और ऊर्जा के विषयों पर की चर्चा, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू रहे मौजूद

संवाददाता ● रायपुर

दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सदन भवन परिसर में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की. इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू उपस्थित रहे.मुलाकात के दौरान सीएम साय और केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को पुष्प गुच्छ भेंट किया. बैठक में शहरी विकास और ऊर्जा से संबंधित विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई. बता दें कि इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की.

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 19 मार्च, 2025
www.adityabharat.com

थाईलैंड में समुद्री नमक बनाने वाले कर्मचारी तालाबों से नमक इकट्ठा करते हैं और पानी की सतह पर बनने वाले नमक के क्रिस्टल को खुरच कर या स्कूप करके निकालते हैं। नमक को फिर टोकरियों या ठेले में भरकर बेचा जाता है। बैंकॉक में नमक इकट्ठा करती कर्मचारी।

शॉट न्यूज

भारत से चुपचाप चीनी खरीद रहा है पाकिस्तान

इस्लामाबाद। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन से बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान पर कई बातें कही हैं। खासतौर से आतंकवाद के मुद्दे पर नरेंद मोदी ने पाकिस्तान को घेरा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अपना पर कड़ा एतराज जताया है। ऐसे में पाकिस्तान में ये मामला चर्चा में बना हुआ है। इसी पर बात करते हुए पाकिस्तान के पत्रकार नुसरत जवीद ने कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया है कि कैसे पाकिस्तान सार्वजनिक तौर पर तल्खी दिखा रहा है लेकिन चुपचाप भारत से चीनी भी खरीद रहा है। नुसरत जवीद से पब्लिक न्यूज के एंकर अदनान हैदर ने नरेंद्र मोदी के पॉडकास्ट पर सवाल किया था। इस पर जवीद ने कहा, 'मैंने नरेंद्र मोदी को सुना है और उसके जवाब में विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया भी देखी है। हमने एक बार फिर कश्मीर की बात की है, जो बीते वर्षों में व्यापार के मामले में भी हम कहते रहे हैं।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र सरकार की मिली मंजूरी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बताया कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। यह मिशन भारत के 2040 तक चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, सरकार ने 2035 तक "भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन" स्थापित करने की योजना को भी स्वीकृति दी है। चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान नारायणन ने बताया कि इसरो आने वाले वर्षों में कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, "हमारे कई महत्वपूर्ण मिशन जारी हैं। चंद्रयान-4 का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा की सतह से सैंपल इकट्ठा करना है, जबकि चंद्रयान-5, जिसे तीन दिन पहले मंजूरी मिली, इसमें 350 किलोग्राम का रोवर होगा। इस मिशन में भारत और जापान मिलकर काम कर रहे हैं।" इससे साफ है कि भारत अंतरिक्ष में अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

24 दलितों की सामूहिक हत्या का फैसला

44 साल बाद 20 दोषियों में से तीन को फांसी की सजा

एजेंसी ● मैनपुरी

फिरोजाबाद के जसराना के गांव दिहुली में 18 नवंबर 1981 को हुई 24 दलितों की सामूहिक हत्या में मंगलवार को कोर्ट ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। इसके साथ ही दो दोषियों पर दो-दो लाख और एक दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। कोर्ट से आदेश होने के बाद पुलिस तीनों को जिला कारागार मैनपुरी ले गई। वहां उन्हें दाखिल किया गया।

फैसला

एडीजे विशेष डकैती इंदिरा सिंह की अदालत में सुबह 11.30 बजे दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को मैनपुरी जिला कारागार से भारी सुरक्षा के बीच लाकर पेश किया गया। इनकी पेशी के बाद 12.30 बजे करीब फिर से इनको दीवानी की अदालत में भेज दिया गया। लंच बाद कोर्ट से फिर इनकी पुकार हुई।

दोपहर 3 बजे तीनों दोषियों को फिर से पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से रोहित शुक्ला ने तमाम दलीलें पेश करते हुए नरसंहार के साक्ष्यों और गवाही का हवाला देते हुए फांसी की मांग की। कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाही के आधार परउस भयावह नरसंहार के दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई। कप्तान सिंह, रामसेवक को दो-दो लाख और रामपाल को एक लाख रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया गया। सजा सुनते ही तीनों के चेहरों पर मायूसी छा गई और रोने लगे। कोर्ट के बाहर इनके परिजन भी मौजूद थे, वह भी रोने लगे। इसके बाद पुलिस ने इन्हें जेल ले जाकर दाखिल कर दिया। सजा सुनाकर जेल भेजे गए तीनों दोषियों को पहले 14 दिन के लिए क्वारंटीन बैरक में रखा जाएगा। यहां उनकी नियमित निगरानी होगी। जांचा जाएगा कि वह समय से खाना-पीना ले रहे हैं या नहीं, सो रहा है या नहीं। 14 दिन के बाद उसको नियमित बैरक में भेजा जाएगा।

30 दिन में कर सकेंगे हाईकोर्ट में अपील- फांसी की सजा पाने वाले रामपाल, रामसेवक और कप्तान सिंह अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए फांसी की सजा के खिलाफ 30 दिन के भीतर हाईकोर्ट में अपील भी कर सकते हैं। हाईकोर्ट सेशन कोर्ट के फैसले की समीक्षा के बाद अपना निर्णय लेकर फांसी की सजा को बरकरार रख सकती है या फिर सजा में संशोधन भी किया जा सकता है।

44 साल पहले हुई थी वारदात

फिरोजाबाद जनपद के जसराना थाना क्षेत्र के ग्राम दिहुली (घटना के समय मैनपुरी का हिस्सा) में 24 दलितों की सामूहिक हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 में 18 नवंबर की शाम 6 बजे डकैत संतोष और राधे के गिरोह ने एक मुकदमे में गवाही के विरोध में हथियारों से लैस होकर दिहुली गांव में घुसकर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों पर गोलियां चलाई थी। इसमें 24 लोगों की मौत हुई थी। थाना जसराना में राधेश्याम उर्फ राधे, संतोष सिंह उर्फ संतोषा के अलावा 20 लोगों के खिलाफ दर्ज हुई थी। मैनपुरी से लेकर इलाहाबाद तक यह मामला कोर्ट में चला। इसके बाद 19 अक्तूबर 2024 को बहस के लिए मुकदमा फिर से मैनपुरी सेशन कोर्ट में ट्रांसफर किया गया। जिला जज के आदेश पर विशेष डकैती कोर्ट में इसकी सुनवाई हुई।

नेतन्याहू ने नाइट अटैक में किया खात्मा

गाजा पर हमले में हमास के मंत्रियों सहित 413 की मौत

एजेंसी ● गाजापट्टी

इजरायल ने मंगलवार को गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर भारी हवाई हमला किया। इस साल 19 जनवरी को युद्धविराम शुरू होने के बाद यह पहला बड़ा सैन्य अभियान है। यह नया हमला इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम वार्ता के विफल होने के बाद किया गया है। गाजा में चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी गाजा, देर अल-बलाह, खान यूनिस, राफा और गाजा शहर में हुए कई हमलों में कम से कम 413 लोग मारे गए और 150 से अधिक अन्य घायल हो गए। इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि ये हमले इजरायली सुरक्षा एजेंसी (आईएसए) के समन्वय से किए गए। इजराइली सेना ने एक्स पर घोषणा की, "राजनीतिक नेतृत्व के निर्देशानुसार, आईडीएफ और आईएसए वर्तमान में गाजा पट्टी में हमास आतंकवादी संगठन के आतंकी ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले कर रहे हैं। गाजा में इजरायल के हवाई हमलों में हमास के कई प्रमुख नेता मारे गए हैं। हमले में हमास की सरकार के प्रमुख, महमूद अबू वाटफा भी मारे गए हैं, जो आंतरिक मंत्रालय के महानिदेशक थे। इनके अलावा, हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य अबू ओबैदा मोहम्मद अल-जमासी और इस्साम अ-दालीस भी इनमें शामिल थे। हमास के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख बहजत अबू सुल्तान और न्याय मंत्रालय के महानिदेशक अबू अम्र अल-हत्ता भी इन हमलों के शिकार बने हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजरायली सेना द्वारा गाजा पर किए गए इन हमलों ने 413 से अधिक फिलिस्तीनियों की जान ले ली, जिसमें बच्चों की बड़ी संख्या शामिल है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 413 मृतकों को गाजा के अस्पतालों में पहुंचाया गया है और कुछ लोगों के अब भी मलबे के नीचे दबे होने की संभावना है।

अमेरिका ने ईरान और हूती विद्रोहियों पर किए हमले

यमनी गुट का यूएस एयरक्राफ्ट कैरियर पर पलटवार

एजेंसी ● तेहरान

यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को 48 घंटों में अमेरिकी युद्धपोतों पर तीसरी बार हमले का दावा किया है। ये हमले तब हो रहे हैं, जब शनिवार से सोमवार तक अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की थी। इस बीच सऊदी मीडिया आउटलेट अल-हदथ ने दावा किया है कि अमेरिकी नौसेना ने लाल सागर में ईरानी टोही जहाज जाग्रोस को डूबो दिया है। ईरानी नौसेना का खुफिया जहाज सिग्नल इंटेलिजेंस (SIGINT) में माहिर है और इसे ईरान की नौसेना में सबसे उन्नत टोही पोत माना जाता है। इसे देश का पहला खुफिया जानकारी जुटाने वाला जहाज भी माना जाता है। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

संघर्ष

हूती विद्रोहियों ने गाजा पर इजरायल के हमलों की भी निंदा की है। इजरायल ने मंगलवार तड़के गाजा में हमास के दर्जनों ठिकानों पर हमला किया था। हमास के नियंत्रण वाले गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि इजरायली हमलों में कम से कम 330 लोग मारे गए हैं। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उधर, हूती विद्रोहियों ने इजरायली हमलों के खिलाफ हमास के समर्थन में अपने अभियान को तेज करने की कसम खाई है। हूती विद्रोही गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से ही लाल सागर में जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कई मालवाहक जहाजों पर हमले किए हैं, जिनमें से कुछ का अपहरण भी किया गया है।

अमेरिकी नौसेना पर हमले का दावा

हूती विद्रोहियों के समर्थन वाले टेलीग्राम चैनलों पर कहा गया कि उन्होंने मिसाइल और ड्रोन से अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर हैरी एस ट्रूमैन कैरियर ग्रुप को निशाना बनाया था। इससे यह हमला उत्तरी लाल सागर में पिछले 48 घंटों में «तीसरा हमला बन गया है। हालांकि, अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के दावे को खारिज कर दिया है। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि हूती «झूठ और गलत सूचना को फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान समर्थित हूती समूह «हमारे हमलों के परिणामों को कम करके आंकने और अपने हमलों की सफलताओं को बढ़ा-चढ़ाकर बताने वाले झूठे दावों के लिए जाना जाता है।

अमेरिकी वायु सेना ने कहा

अमेरिकी वायुसेना के लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सस ग्रिनकेविच ने पहले संवाददाताओं से कहा था कि हूतियों के किए गए हमलों की पुष्टि करना «कठिन है, क्योंकि विद्रोही अपने लक्ष्यों से «100 मील» (160 किलोमीटर) से अधिक दूर रह गए थे।

ईरान के बिना कोई हूती नहीं : अमेरिका - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि वे तेहरान समर्थित समूह द्वारा किए गए किसी भी अन्य हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराएंगे। ईरान ने उनके बयान को «आक्रामक कहा। एक टेलीविजन इंटरव्यू में, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के बिना हूती का «अस्तित्व नहीं हैं।»

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)